सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" मित्र और संस्कार आपको उस मुकाम तक पहुंचाते हैं, जहां पैसा भी आपको नहीं ले जा सकता ...!! "

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–135 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 04 जून 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

राजनीति में सफलता पाने के बाद भी देवेन्द्र एनएसयूआई और युवा कार्यकर्ताओं को देखकर आत्मीयता से लपकता है

छग में अपनी अलग रौशनी बिखेर रहा है देवेन्द्र यादव

आसिफ मेमन के फेसबुक वॉल से
नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आसिफ मेमन के फेसबुक वाल से रायपुर युवा कांग्रेस से निकलकर कोई पार्षद बन जाए, जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हो जाए, नगर पालिका या नगर पंचायत का अध्यक्ष बन जाए, महापौर बन जाए या विधायक बन जाए— अक्सर पहली फुर्सत में वह अपने संघर्ष के दिनों और संघर्ष के साथियों को भूल जाता है। पहली फुर्सत में वह युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को तिरस्कार की दृष्टि से देखना शुरू कर देता है। और यदि कोई मंत्री बन जाए, तब तो स्थिति और भी खराब हो जाती है। फिर उसे युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में अपनी ही पुरानी छवि दिखाई नहीं देती। वे उसे सिर्फ जिंदाबाद–मुर्दाबाद करने वाली एक टोली भर लगते हैं, जिनके हिस्से का अंतिम प्रसाद केवल शाबाशी होता है।

छत्तीसगढ़ गठन के बाद दो–चार अपवाद जरूर देखने को मिले हैं, लेकिन बस दो–चार ही। बाकी सबको देखा है, सबको परखा है। लगभग हर कोई युवा कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने से डरता हुआ नजर आता है।

कमोबेश यही स्थिति भाजपा में भी है। वहां भी युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ वर्षों से यही व्यवहार होता आया है। सत्ता उनकी पार्टी की होती है, लेकिन सत्ता में उनकी हिस्सेदारी केवल दिखावे की होती है। भीतर से वे भी उतने ही उपेक्षित और बेदखल रहते हैं।

खैर...इन सबके बीच यदि कोई उम्मीद का सूरज बनकर पूरे छत्तीसगढ़ में अपनी अलग रोशनी बिखेर रहा है, तो उसका नाम है देवेंद्र यादव।

राजनीति की लगभग हर बड़ी सफलता बेहद कम उम्र में हासिल कर लेने के बावजूद यह नौजवान आज भी एनएसयूआई और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को देखकर उसी आत्मीयता से लपकता है, जैसे उसे हर युवा में अपना बीता हुआ कल दिखाई देता हो। जैसे वह अपने संघर्ष के दिनों को आज भी जी रहा हो।

पूरे भारत में ऐसे नेता बमुश्किल दो–चार ही मिलेंगे, जो राजनीति की ऊंचाइयों तक पहुंचने के बाद भी अपने मातृ संगठन और उसके कार्यकर्ताओं को परिवार की तरह मानते हों, जहां मिलें वहां गले लगा लेते हों, उनकी पीठ थपथपा देते हों और उन्हें यह एहसास कराते हों कि उनका संघर्ष व्यर्थ नहीं जाएगा।

भारत के सबसे कम उम्र के महापौरों में शामिल रहने और बार–बार विधायक चुने जाने के बाद भी देवेंद्र यादव ने एक पल के लिए एनएसयूआई और युवा कांग्रेस को अपने से अलग नहीं किया। शायद यही वजह है कि छत्तीसगढ़ के एक कोने से दूसरे कोने तक कांग्रेस के युवाओं में उनके प्रति एक अलग ही दीवानगी देखने को मिलती है। कई ऐसे युवा भी हैं जिन्होंने अपने शरीर पर देवेंद्र यादव का नाम तक गुदवा रखा है।

आज बिलासपुर में छात्र आंदोलन के दौरान एक बार फिर हमें वही एनएसयूआई वाले देवेंद्र यादव देखने को मिला। देवेंद्र की मौजूदगी युवाओं में ऐसा जोश भर देती है कि वे बड़ी से बड़ी ताकत से टकराने से भी नहीं हिचकते। आज का आंदोलन ऐतिहासिक रूप से सफल रहा। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ जी के आगमन पर युवाओं ने पूरे आंदोलन में अपने नेता, युवा तुर्क देवेंद्र यादव और प्रदेश एनएसयूआई अध्यक्ष नीरज पांडे के नेतृत्व में जान फूंक दी।

बिना बिल्डिंग परमिशन नए नल कनेक्शन नहीं : महापौर अलका

वार्ड 1 से 10 की समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश, अतिक्रमण हटाने और समय पर काम पूरे करने को कहा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग में शुक्रवार शाम वार्ड क्रमांक 1 से 10 तक के विकास कार्यों और जनसमस्याओं की समीक्षा बैठक हुई। महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने साफ कहा कि बिना बिल्डिंग परमिशन के किसी भी नए नल कनेक्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को सार्वजनिक नलों से हो रहे अनावश्यक जल व्यय पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

डाटा सेंटर में हुई समीक्षा बैठक

बैठक डाटा सेंटर में आयोजित हुई। इसमें एमआईसी सदस्य, संबंधित वार्डों के पार्षद और निगम अधिकारी मौजूद रहे। महापौर ने वार्ड 1 से 10 के पार्षदों से बारी बारी उनके क्षेत्रों की समस्याएं और जरूरतें पूछीं।

पार्षदों ने उठाए ये मुद्दे

पार्षदों ने साफ–सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सड़क और नाली निर्माण, पाइपलाइन विस्तार, लीकेज, बोर रिपेयरिंग, सुलभ शौचालयों की मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था और नालियों की सफाई के मुद्दे प्रमुखता से रखे।

समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश

महापौर ने अधिकारियों से कहा कि पाषर्दों द्वारा उठाई गई समस्याओं का निराकरण तय समय सीमा में किया जाए। काम पूरा होने के बाद संबंधित वार्ड पार्षद को जानकारी भी दी जाए।

अतिक्रमण हटाने पर जोर

उन्होंने सड़क सीमा क्षेत्र में किए गए अतिक्रमण को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। शहर के मुख्य मार्गो सहित सभी वार्डों में नियमित साफ–सफाई व्यवस्था बनाए रखने को कहा।

बैठक में वित्त विभाग प्रभारी नरेंद्र बंजारे, लीना दिनेश देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, निलेश अग्रवाल, गोविंद्र देवांगन, रंजीता पाटिल, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, प्रकाश चंद थवानी, मोहमद सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता गिरीश दीवान समेत निगम के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिलासपुर में मंत्री बंगले का घेराव : पुलिस व एनएसयूआई कार्यकर्ताओं में भिड़ंत, लाठीचार्ज में दर्जनों हुए घायल

नीट पेपर लीक पर संग्राम : विधायक देवेंद्र यादव का कुर्ता फटा, वाटर कैनन चली, एक दर्जन कार्यकर्ता हिरासत में

प्रदर्शन स्थल से ग्राउंड रिपोर्ट
आलोक तिवारी / बिलासपुर

नीट पेपर लीक मामले में एनएसयूआई का आंदोलन बुधवार को बिलासपुर में उग्र हो गया। केंद्रीय राज्यमंत्री व सांसद तोखन साहू के बंगले का घेराव करने पहुंचे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच नेहरू चौक पर जमकर भिड़ंत हुई। अनियंत्रित भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन चलाई और जमकर लाठीचार्ज किया। लाठीचार्ज में दर्जनों कार्यकर्ता घायल हो गए। करीब एक दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर कोनी थाना ले जाया गया, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया।

लाठीचार्ज से मची भगदड़, 6 कार्यकर्ता सिम्स में भर्ती

पुलिस ने भीड़ को तितर–बितर करने के लिए जमकर लाठी भांजी। इससे नेहरू चौक पर भगदड़ मच गई।

विधायक का कुर्ता फटा, बस पर चढ़े तो पुलिस ने उतारा

बैरिकेड पर चढ़कर पार करने की कोशिश में पुलिस ने वाटर कैनन से पानी की बौछार की। इससे भिलाई विधायक देवेंद्र यादव नीचे गिर गए और उनका कुर्ता फट गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ भी तीन बार बैरिकेड पर चढ़े। हंगामा बढ़ने पर विधायक देवेंद्र यादव कलेक्टोरेट की ओर बढ़ने लगे। पुलिस ने रोका तो वे नेहरू चौक पर धरने पर बैठ गए। पुलिस उन्हें उठाने लगी तो विवाद बढ़ गया। इस दौरान देवेंद्र यादव पुलिस बस के ऊपर चढ़कर कार्यकर्ताओं में जोश भरने लगे। पुलिस वाले भी बस पर चढ़े और उन्हें नीचे उतारकर हिरासत में ले लिया।

लाठीचार्ज में विक्की यादव, संदीप यादव, राज यादव, तरुण यादव, संजय साहू और मयंक सिंह घायल हुए। सभी को सिम्स में भर्ती कराया गया। घायलों में विक्की यादव युवा कांग्रेस में शहर अध्यक्ष और तरुण यादव, मयंक सिंह ग्रामीण अध्यक्ष के दावेदार हैं।

'धर्मेंद्र प्रधान भविष्य के सौदागर' : जाखड़

सभा को संबोधित करते हुए एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को 'भविष्य का सौदागर' बताया। उन्होंने कहा कि एक ओर मंत्री एसी कमरे में आराम कर रहे हैं, दूसरी ओर नौजवान छात्र हताशा में आत्महत्या की स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई देश के भविष्य को बचाने की है और दोषियों पर कार्रवाई तक आंदोलन जारी रहेगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष जाखड़ बोले : 'धर्मेंद्र प्रधान भविष्य के सौदागर', इस्तीफे तक जारी रहेगा आंदोलन

प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे ने कहा कि न्यायधानी बिलासपुर में आंदोलन इसलिए किया गया ताकि युवाओं को न्याय मिले। कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने केंद्र पर संस्थानों के भगवाकरण का आरोप लगाया। भिलाई विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि नीट में धांधली कर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हुआ है। अन्याय के खिलाफ एनएसयूआई मजबूती से लड़ेगी।

मंच पर साथ, आंदोलन में दूर–दूर

प्रदर्शन के दौरान गुटबाजी भी दिखी। मंच पर साथ दिखे कई दिग्गज कांग्रेस नेता आंदोलन के दौरान दूर खड़े रहे। जब देवेंद्र यादव और जाखड़ बैरिकेड तोड़ रहे थे, तब शहर अध्यक्ष सिद्धांशु मिश्रा को छोड़कर कोई बड़ा नेता साथ नहीं था। लाठीचार्ज के समय भी कई वरिष्ठ नेता मौके पर मौजूद नहीं थे।

3 स्तर की बैरिकेडिंग, टूटा घेरा

एनएसयूआई ने बुधवार को मंत्री बंगले के घेराव का ऐलान किया था। इसे देखते हुए पुलिस ने बंगले के आसपास, नेहरू चौक और कलेक्टोरेट रोड पर कड़ी सुरक्षा की थी। मंत्री बंगले के पहले टीन की ऊंची दीवार और तीन स्तर पर बैरिकेड लगाए गए थे। शाम करीब 6 बजे एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़, प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे, भिलाई विधायक देवेंद्र यादव, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव की अगुवाई में नेहरू चौक पर सभा के बाद हजारों कार्यकर्ता मंत्री बंगले की ओर बढ़े। पहली बैरिकेडिंग को तोड़कर भीड़ आगे बढ़ी। दूसरी बैरिकेडिंग पर जमकर धक्कामुक्की हुई।

जारी रहेगी अन्याय के खिलाफ लड़ाई- देवेन्द्र

"नीट घोटाला युवाओं के भविष्य के साथ क्रूर खिलवाड़ है। जो छात्र 18 से 20 घंटे मेहनत करके तैयारी करते हैं, उनका भविष्य आज अधर में लटका हुआ है। यह सिर्फ एक परीक्षा का सवाल नहीं, लाखों बच्चों के सपनों और उनके परिवारों की उम्मीदों का सवाल है।

मैं युवाओं से कहना चाहता हूं कि अन्याय के खिलाफ अडिग रहें। अपनी ताकत दिखाएं। पुलिस ने बैरिकेड्स लगाए हैं, लेकिन युवाओं की आवाज को कोई बैरिकेड नहीं रोक सकता। हम शांतिपूर्ण तरीके से सड़क पर उतरकर सरकार को जगाएंगे। जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती और छात्रों को न्याय नहीं मिलता, तब तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी। अन्याय के खिलाफ हम हर मोर्चे पर लड़ते रहेंगे। यह लड़ाई हम युवाओं के भविष्य के लिए लड़ रहे हैं।"

देवेन्द्र यादव, विधायक भिलाई

एएसपी बोले : स्थिति नियंत्रित

पुलिस अधिकारियों के अनुसार भीड़ को समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन नहीं मानने पर बल प्रयोग करना पड़ा। स्थिति अब नियंत्रण में है। हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं को बाद में छोड़ दिया गया।

चीन दौरे से लौटे युवा समाजसेवी इंद्रजीत सिंह छोटू का कोहका में भव्य स्वागत

सर्वसमाज कल्याण समिति कार्यालय में उमड़ा जनसैलाब, समाजहित और जनकल्याण पर हुई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

चीन दौरे से वापस लौटने पर शहर के युवा समाजसेवी इंद्रजीत सिंह छोटू का मंगलवार को कोहका स्थित सर्वसमाज कल्याण समिति कार्यालय में भव्य स्वागत किया गया। उनके आगमन की सूचना मिलते ही कार्यालय में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा।

समाजहित के मुद्दों पर हुई चर्चा

मुलाकात के दौरान समाजहित और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। उपस्थित लोगों ने क्षेत्र के विकास, सामाजिक एकता और जनसेवा से संबंधित अपने विचार साझा किए।

सिख समाज सहित विभिन्न समाजों की रही मौजूदगी

स्वागत कार्यक्रम में सिख समाज सहित विभिन्न समाजों के बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और युवा उपस्थित रहे। सभी ने इंद्रजीत सिंह छोटू का पुष्पगुच्छ भेंट कर और माल्यार्पण कर गमजीशी से स्वागत किया।

हर वर्ग के हित में काम करता रहूंगा

भाई इंद्रजीत सिंह छोटू ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग के हित में निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और जनकल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। पूरा कार्यक्रम उत्साह, सम्मान और अपनत्व के माहौल में संपन्न हुआ।

विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : महापौर अलका बाघमार ने खराब पेवर ब्लॉक उखड़वाए

सिविल लाइन में निरीक्षण के दौरान मिली खामियां, ठेकेदार को दोबारा गुणवत्तापूर्ण कार्य के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को उन्होंने सिविल लाइन स्थित एसपी बंगले के पीछे चल रहे पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। कार्य में तकनीकी मानकों और गुणवत्ता में गंभीर खामियां मिलने पर महापौर ने नाराजगी जताते हुए ठेकेदार को खराब हिस्से को तत्काल उखाड़कर दोबारा गुणवत्तापूर्ण निर्माण करने के निर्देश दिए।

तकनीकी पहलुओं की मौके पर जांच

निरीक्षण के दौरान महापौर के साथ लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू और ठेकेदार मौजूद रहे। महापौर ने बेस तैयार करने की प्रक्रिया, पेवर ब्लॉकों की फिटिंग, लेवलिंग और अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच की। कुछ स्थानों पर कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। इससे भविष्य में सड़क की गुणवत्ता और टिकाऊपन प्रभावित हो सकता है।

जनता के धन से समझौता स्वीकार नहीं

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा कराए जा रहे सभी विकास कार्य जनता की सुविधाओं के लिए हैं। ऐसे में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सवीच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता के धन से होने वाले कार्यों में किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। निर्धारित मापदंडों का पालन न करने वाली एजेंसी या ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होगी।

अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश

महापौर ने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। प्रत्येक कार्य तकनीकी मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप पूर्ण कराया जाए। जहां कमी दिखे, उसे तत्काल सुधारने की कार्रवाई हो।

उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल विकास कार्य कराना नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण और टिकाऊ अधोसंरचना उपलब्ध कराना है ताकि नागरिकों को लंबे समय तक लाभ मिले। निरीक्षण के दौरान

निगम के अधिकारी, इंजीनियरिंग शाखा के कर्मचारी और ठेकेदार प्रतिनिधि उपस्थित रहे। महापौर ने सभी को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खास खबर

पत्नी से मारपीट का बदला : लाठी-डंडे से पीटकर हत्या करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पुरानी भिलाई पुलिस ने कार्रवाई कर भेजा जेल, बीएनएस की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

थाना पुरानी भिलाई पुलिस ने लाठी-डंडे से पीटकर हत्या करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मृतक द्वारा अपनी पत्नी से मारपीट करने से नाराज होकर आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया था।

मामले का विवरण : पुलिस के अनुसार घटना 1 जून 2026 की रात करीब 9 बजे ग्राम मोहंदी के खाननाडी की है। मृतक नीलकंठ साहू ने अपनी पत्नी सावित्री साहू के साथ मारपीट की थी। इससे सिर में चोट पहुंची थी। इसी बात से नाराज होकर आरोपी राजेश वर्मा और अमर सिंह यादव ने नीलकंठ साहू से विवाद किया। आरोपियों ने एक राय होकर डंडे और हाथ-मुक्के से नीलकंठ साहू के सिर, पैर, सीने और हाथ पर गंभीर वार किए। गंभीर चोटों के कारण 2 जून 2026 की सुबह 9 बजे नीलकंठ साहू की मृत्यु हो गई।

पत्नी की रिपोर्ट पर दर्ज हुआ अपराध : मृतक की पत्नी सावित्री साहू की रिपोर्ट पर थाना पुरानी भिलाई में अपराध क्रमांक 291/2026 दर्ज किया गया। धारा 103(1), 3(5) बीएनएस के तहत मामला कायम किया गया।

दोनों आरोपी गिरफ्तार : पूछताछ में आरोपी राजेश वर्मा पिता स्वर्गीय भारत वर्मा उम्र 50 वर्ष निवासी इन्द्रा पारा थाना पुरानी भिलाई और अमर सिंह यादव पिता नंदू यादव उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम मोहंदी बांधापार पुरानी भिलाई ने डंडे से मारकर हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस ने 3 जून 2026 को दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। थाना पुरानी भिलाई पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

आत्मनिर्भरता की नई राह हुई आसान, समाधान शिविर में दिव्यांग सतरूपा को मिली इलेक्ट्रिक ट्राइसाइकिल

दुर्ग। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और जमीनी प्रशासन के सीधे जुड़ाव से अब आम नागरिकों के जीवन में सीधा बदलाव दिखने लगा है। इसी कड़ी में दुर्ग शहर में विगत दिवस आयोजित विशेष समाधान शिविर में ग्राम थनौद की निवासी दिव्यांग हितग्राही सतरूपा ठेठवार को जब जिला प्रशासन द्वारा इलेक्ट्रिक ट्राइसाइकिल प्रदान की गई, तो उनके चेहरे पर स्वावलंबन की चमक साफ दिखाई दी। सुशासन तिहार के तहत आयोजित यह शिविर सरकार के संकल्पों को धरातल पर उतारने और अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम बनकर सामने आया है। ग्राम थनौद की रहने वाली सतरूपा ठेठवार बताती है कि वे लंबे समय से अपने दैनिक कार्यों और रोजमर्रा के आवागमन के लिए पूरी तरह से अपने परिवार के सदस्यों पर आश्रित थीं। किसी भी जरूरी काम से बाहर जाने के लिए उन्हें दूसरों की सुविधा और सहायता का इंतजार करना पड़ता था, जिससे कई बार उनके महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूरे नहीं हो पाते थे। जिसके कारण सतरूपा को रोजाना कई तरह की व्यावहारिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, लेकिन उनके मन में हमेशा से खुद के पैरों पर खड़े होने और आत्मनिर्भर बनने की इच्छा थी। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस विशेष समाधान शिविर में जब सतरूपा के आवेदन और पात्रता की त्वरित जांच कर उन्हें आधुनिक इलेक्ट्रिक ट्राइसाइकिल सौंपी गई, तो उनका बरसों का इंतजार खत्म हो गया। अब इस वाहन की मदद से वे अपने सामाजिक और व्यक्तिगत कार्य किसी की मदद के बिना, स्वयं कर सकेंगी। इस साधन ने उनकी दूसरों पर निर्भरता को पूरी तरह खत्म कर दिया है। इलेक्ट्रिक ट्राइसाइकिल मिलने के बाद हितग्राही सतरूपा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन का दिल से आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा शिविर लगाकर दी गई इस मदद से उनकी जिंदगी का सफर अब बहुत आसान और सुगम हो जाएगा, और वे अब कहीं भी आने-जाने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं। इस शिविर के जरिए मिली यह सहायता केवल एक गाड़ी नहीं, बल्कि सतरूपा जैसी नागरिकों को सम्मानजनक और स्वतंत्र जीवन जीने का अवसर देने की एक मजबूत शुरुआत है।

विद्युत व्यवस्था को लेकर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने ली समीक्षा बैठक

बेहतर विद्युत आपूर्ति और किसानों को पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रदेश के केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग पीडब्लूडी सभागार में दुर्ग एवं बेमेतरा जिले के सर्किल विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक लेकर विद्युत व्यवस्था की विस्तृत जानकारी लिए।बैठक में वतर्मान विद्युत आपूर्ति, बिजली कटौती की स्थिति तथा आगामी खरीफ एवं खेती-किसानी सीजन की तैयारियों की समीक्षा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री गजेन्द्र यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भीषण गर्मी के दौरान आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा अनावश्यक बिजली कटौती में कमी लाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए किसानों को पर्याप्त एवं सुचारु विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना सवीच्च प्राथमिकता है। इसके लिए आवश्यक रखरखाव कार्य, ट्रांसफार्मर उपलब्धता तथा विद्युत वितरण व्यवस्था को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा शासन की योजनाओं को अमल करने कहा गया।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों से विभिन्न क्षेत्रों की विद्युत व्यवस्था की बिंदुवार जानकारी ली गई। इस दौरान दुर्ग, पाटन, कुम्हारी, अहिवारा, धमधा एवं बेमेतरा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित विद्युत समस्याओं एवं सुझावों को मंत्री श्री यादव के समक्ष रखा। मंत्री श्री यादव ने संबंधित अधिकारियों को सभी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने तथा जनता की शिकायतों के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि आमजन एवं किसानों को बेहतर विद्युत सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश सरकार

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है तथा जनप्रतिनिधियों के सुझावों के अनुरूप आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

बैठक में दुर्ग जिपं. अध्यक्ष श्रीमति सरस्वती बंजारे, बेमेतरा जिपं. अध्यक्ष श्रीमति कल्पना योगेश तिवारी, दुर्ग जिपं उपाध्यक्ष श्री पवन शर्मा, जनपद पंचायत के अध्यक्षगण, कार्यपालक निदेशक दुर्ग क्षेत्र संजय खंडेलवाल, एसई जे जगन्नाथ, आरके मिश्रा उपस्थित रहे।

निगम आयुक्त और सभापति ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों का किया सम्मान

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग के चार कर्मचारियों को उनके सेवानिवृत्ति अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम निगम मुख्यालय स्थित मोतीलाल वोरा सभागार में आयोजित किया गया। समारोह में आयुक्त सुमित अग्रवाल एवं सभापति श्याम शर्मा ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए उनके दीर्घकालीन सेवाकाल, कर्तव्यनिष्ठा एवं निगम के प्रति योगदान की सराहना की। इस अवसर पर सहायक राजस्व निरीक्षक नंद कुमार यादव, लाइनमैन वासुदेव यादव, भृत्य दिलीप कुमार ढीमर एवं सफाई कामगार चंद्रा उर्फ चंद्रकला को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने अपने कार्यकाल के दौरान पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निगम के विभिन्न विभागों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। उनके अनुभव और योगदान को सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने सभी कमर्चारियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि किसी भी संस्था की सफलता उसके कमर्चारियों की मेहनत और समर्पण पर आधारित होती है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने निगम परिवार को अपनी सेवाएं देकर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। समारोह के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त साथियों के साथ अपने अनुभव साझा किए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

लखपति दीदी निर्माण के लिए जिला स्तरीय अभिसरण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

बजरंग कुमार दुबे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) अंतर्गत जिला स्तरीय अभिसरण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य विभिन्न विभागों के अभिसरण के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए उन्हें लखपति दीदी के रूप में विकसित करना था।

बैठक में कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, उद्यानिकी विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। विभिन्न विभागीय योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से महिलाओं को कृषि, पशुपालन, डेयरी, बकरी पालन, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी एवं अन्य आयवर्धक गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की गई। पशुपालन विभाग द्वारा मुर्गी पालन, चूजा वितरण, बकरी पालन एवं उन्नत नस्ल के बकरे-बकरियों के वितरण संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई। विभाग द्वारा हितग्राहियों को प्रदान किए जाने वाले अंशदान एवं अन्य सुविधाओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया।

कृषि विभाग द्वारा आत्मा योजना के अंतर्गत किसानों एवं महिला समूहों को मिलने वाले लाभों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा आजीविका संवर्धन गतिविधियों की जानकारी साझा की गई। वहीं उद्यानिकी विभाग द्वारा पल्स योजना एवं राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत महिलाओं को उपलब्ध कराए जाने वाले अंशदान एवं लाभों की जानकारी प्रस्तुत की गई। बैठक में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत स्वरोजगार स्थापित करने के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता एवं अवसरों की भी जानकारी दी गई, जिससे महिला समूहों को आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिल सके।

श्री दुबे ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने हेतु समन्वित कायर्योजना तैयार करें तथा पात्र महिलाओं की पहचान कर उन्हें विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के संयुक्त प्रयासों से महिलाओं की वार्षिक आय में वृद्धि कर उन्हें आत्मनिर्भर, सशक्त एवं सफल लखपति दीदी के रूप में विकसित किया जा सकता है।

अमलेश्वर में 125 महिला कमांडो का सम्मेलन, साइबर अपराध से नशामुक्ति तक मिला प्रशिक्षण

पद्मश्री शमशाद बेगम ने किया संबोधित, एनडीआरएफ ने दिए जीवन रक्षक के गुर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

थाना अमलेश्वर में मंगलवार को थाना क्षेत्र की महिला कमांडो का सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में करीब 125 महिला कमांडो शामिल हुई। उन्हें पुलिस जनमित्र, ऑपरेशन विश्वास, साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा, यातायात और नशे के विरुद्ध अभियान की विस्तृत जानकारी दी गई।

डायल 1930 और 1933 के महत्व की जानकारी

कार्यक्रम में साइबर अपराध की रोकथाम के लिए डायल 1930 और नशे के विरुद्ध कार्रवाई के लिए डायल 1933 के महत्व को समझाया गया। महिला कमांडो को नशामुक्ति, महिला सुरक्षा और सामाजिक अपराधों की

रोकथाम में पुलिस का सहयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

पद्मश्री शमशाद बेगम रहीं मुख्य अतिथि

मुख्य अतिथि पद्मश्री श्रीमती शमशाद बेगम ने महिला कमांडो की भूमिका, कर्तव्य और दायित्वों की जानकारी दी। उन्होंने हर कदम पर पुलिस का साथ देने का आह्वान किया और हर गांव में अधिक से अधिक महिलाओं को महिला कमांडो से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा।

एनडीआरएफ ने दिया जीवन रक्षक प्रशिक्षण

जिला सेनानी नगर सेना आपदा मोचन बल श्री नागेंद्र सिंह के नेतृत्व में एनडीआरएफ टीम ने विषम परिस्थितियों में बचाव के उपाय बताए। डूबते व्यक्ति को बचाने, सिलेंडर में आग लगने पर की जाने वाली कार्रवाई और फायर एक्सटिंग्विशर से आग बुझाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

यातायात नियमों का पाठ

यातायात निरीक्षक पी.डी. चंद्रा ने हेलमेट पहनकर वाहन चलाने, शराब पीकर गाड़ी न चलाने और ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने की जानकारी दी।

महिला कमांडो ने दिखाया उत्साह

पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पाटन अनूप लकड़ा की उपस्थिति में हुए कार्यक्रम में महिला कमांडो में खासा उत्साह दिखा। उन्होंने अपराधों की रोकथाम, कानून व्यवस्था, नशामुक्त समाज और महिला सशक्तिकरण में पुलिस का हर संभव साथ देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी महिला कमांडो को टॉर्च, सीटी, टोपी और डंडा देकर सुसज्जित किया गया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।

युवा संगम फेज-6 : दिल्ली के 60 युवाओं ने देखी बीएसपी की तकनीकी प्रगति

आईआईटी भिलाई के नोडल में हुआ भ्रमण, इस्पात निर्माण की आधुनिक प्रक्रिया से हुए रूबरू

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पहल युवा संगम फेज-6 के तहत दिल्ली से आए 60 सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल ने भिलाई इस्पात संयंत्र का भ्रमण किया। युवाओं ने देश की औद्योगिक और तकनीकी प्रगति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

शिक्षा मंत्रालय की इस पहल का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं को एक दूसरे की संस्कृति, विकास यात्रा, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक उपलब्धियों से परिचित कराना है। कार्यक्रम में आईआईटी भिलाई ने छत्तीसगढ़ के नोडल उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में भूमिका निभाई। आईआईटी दिल्ली के सहयोग से कार्यक्रम का संचालन किया गया।

सुरक्षा मानकों की दी गई जानकारी

भिलाई इस्पात संयंत्र पहुंचने पर मानव

संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। संयंत्र की सुरक्षा संस्कृति को प्राथमिकता देते हुए युवाओं को औद्योगिक सुरक्षा, कार्यस्थल सावधानियों और भ्रमण के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी दी गई। सभी प्रतिभागियों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण भी उपलब्ध कराए गए।

सुरक्षा उन्मुखीकरण के बाद प्रतिनिधिमंडल ने संयंत्र की विभिन्न उत्पादन इकाइयों का भ्रमण किया। विशेषज्ञ अधिकारियों ने इस्पात निर्माण की आधुनिक प्रक्रियाओं, भारी इंजीनियरिंग, धातुकर्म तकनीकों और उत्पादन प्रणाली की जानकारी दी। युवाओं ने बड़े पैमाने पर संचालित इस्पात उत्पादन, आधुनिक तकनीकी प्रणालियों और राष्ट्रीय आधारभूत संरचना निर्माण में भिलाई इस्पात संयंत्र की भूमिका को नजदीक से समझा।

अकादमिक और औद्योगिक व्यवहारिकता पर संवाद

भ्रमण के दौरान युवाओं और संयंत्र अधिकारियों के बीच सार्थक संवाद भी हुआ। युवाओं ने औद्योगिक विकास, तकनीकी नवाचार, रोजगार के अवसरों और भविष्य की प्रौद्योगिकियों पर जानकारी ली। इससे उन्हें अकादमिक अध्ययन और औद्योगिक व्यवहारिकता के बीच संबंध समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम के सफल समन्वयन में सहायक प्रबंधक बलराम मसराम और सहायक प्रबंधक सैफुद्दीन फजली की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बीएसपी के मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग और आईआईटी भिलाई के संयुक्त प्रयासों से यह भ्रमण ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी रहा। यह आयोजन युवा संगम कार्यक्रम के प्रगति और प्रौद्योगिकी आयामों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रहा।

टी-20 चैम्पियंस ट्रॉफी में इंडिया डी टीम उपविजेता भिलाई के सिद्धार्थ श्रीवास्तव टीम में हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इंडियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन की मेजबानी में नई दिल्ली में आयोजित ळ-20 चैम्पियंस ट्रॉफी में इंडिया डी टीम उपविजेता रही। फाइनल मुकाबले में इंडिया बी टीम ने इंडिया डी को 32 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया। यह टूर्नामेंट का पहला संस्करण था।

भिलाई के सिद्धार्थ टीम का हिस्सा

उपविजेता इंडिया डी टीम में भिलाई के क्रिकेटर सिद्धार्थ श्रीवास्तव शामिल थे। सिद्धार्थ इससे पहले अपनी टीम की कप्तानी भी कर चुके हैं। वहीं डोंगरगांव के योगेंद्र देवांगन इंडिया सी टीम का हिस्सा थे। टूर्नामेंट

में भारत की चार टीमों के बीच मुकाबले हुए।

वर्ल्ड कप चयन का मुख्य मंच

भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (IDCA) द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट अक्टूबर 2026 में यूएई में होने वाले बधिर-आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप के लिए भारतीय टीम चयन का मुख्य मंच था। आयोजन का उद्देश्य देशभर के श्रवण बाधित प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को मंच देना और विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम का चयन करना था। IDCA बीसीसीआई के सहयोग से लगातार बधिर क्रिकेटरों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है, जिसमें अन्य देशों के साथ त्रिकोणीय सीरीज भी शामिल होती है।

सुशासन तिहार : जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान ही सरकार की प्राथमिकता-मंत्री अग्रवाल

ग्राम पंचायत हर्रा टिकरा क्लस्टर के शिविर में पर्यटन व संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल हुए शामिल, समाधान शिविर में प्राप्त हुए 1153 आवेदन, मौके पर ही कई मामलों का हुआ निराकरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में संचालित सुशासन तिहार-2026 आम जनता और प्रशासन के बीच विश्वास, संवाद और त्वरित समाधान का सशक्त सेतु बनकर उभर रहा है। इसी कड़ी में सरगुजा जिला के अंबिकापुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत हर्रा टिकरा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने शामिल होकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हर्रा टिकरा क्लस्टर के अंतर्गत आने वाली 27 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों की बड़ी भागीदारी वाले इस शिविर में कुल 1,153 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 1,106 मांग संबंधी तथा 47 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल रहे। इनमें से 22 आवेदनों का

मौके पर ही निराकरण कर शासन की संवेदनशील कार्यप्रणाली का परिचय दिया गया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा में निराकरण हेतु भेजा गया है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनके वास्तविक लाभ को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशन में आयोजित सुशासन तिहार शासन की जवाबदेही और जनोन्मुखी कार्यसंस्कृति का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अब नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, बल्कि प्रशासन स्वयं गांवों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहा है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी नागरिक अपनी समस्या के समाधान से वंचित न रहे। सुशासन तिहार इसी सोच का परिणाम है, जहां जनप्रतिनिधि और प्रशासन एक मंच पर उपस्थित होकर जनता की मांगों और शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित कर रहे हैं। पेंशन, राशन कार्ड, फौती नामांतरण, सीमांकन जैसे मामलों में तत्काल कार्रवाई की जा रही है और प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध निराकरण हमारी प्राथमिकता है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में अब तक 69 हजार से अधिक हितग्राही इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं और पात्र शेष उपभोक्ताओं को भी राहत प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अधिकाधिक आवेदन प्रस्तुत कर योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में विद्यालयों के अतिरिक्त भवन निर्माण एवं मरम्मत कार्य के लिए 59 स्कूलों को चिन्हित किया गया है, जिससे बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा। आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में भी विशेष पहल की जा रही है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने कहा कि सुशासन तिहार आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच बन चुका है। वहीं जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पायल सिंह तोमर ने इसे मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी पहल बताते हुए ग्रामीणों से अधिकाधिक समस्याएं एवं सुझाव साझा करने का आग्रह किया।

शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। लाभान्वित नागरिकों को जाति प्रमाण पत्र, स्वच्छता किट, पेंशन स्वीकृति आदेश, हरित खाद, पीएम किसान सम्मान निधि प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जॉब कार्ड तथा बिहान समूहों की महिलाओं को चेक वितरित किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई तथा बच्चों के अन्नप्राशन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में जिला पंचायत के जनप्रतिनिधियों, जनपद सदस्यों, सरपंचों, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, जनपद सीईओ राजेश सेंगर सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

खास खबर

खाद की कालाबाजारी पर शिकंजा : अवैध भण्डारण पर कार्रवाई, गोदाम सील और खाद जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बिलासपुर

खरीफ सीजन को देखते हुए कृषि विभाग ने खाद की कालाबाजारी, अवैध भण्डारण और निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। सभी जिलों में गठित उड़नदस्ता दलों द्वारा लगातार छापेमार कार्रवाई की जा रही है। बिलासपुर जिले में मल्हार और सेन्दरी में बड़ी मात्रा में खाद जब्त कर कानूनी कार्रवाई की गई है।

बिलासपुर जिले के मस्तूरी विकासखण्ड के मल्हार में अग्रवाल खाद भण्डार की जांच के दौरान यूरिया, एनपीके और एसएसपी उर्वरकों का अवैध भण्डारण पाया गया। टीम ने खाद को जब्त कर अग्रिम कार्रवाई के लिए जिला दण्डाधिकारी न्यायालय में मामला प्रस्तुत किया है। इसी प्रकार सेन्दरी स्थित मेसर्स बंसल फर्टिलाईजर में छिपाकर रखी गई खाद को उड़नदस्ता दल ने रात में छापेमार कार्रवाई कर बरामद किया। जांच के दौरान अवैध भण्डारण की पुष्टि होने पर खाद जब्त कर गोदाम को सील कर दिया गया। कृषि विभाग पूरे जिले में लगातार निगरानी रख रही है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम तथा उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

जिला प्रशासन ने किसानों के हित में सभी सहकारी समितियों को अवकाश दिवसों सहित शनिवार एवं रविवार को भी खुला रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जिले को खरीफ सीजन के लिए 68 हजार 950 मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके विरुद्ध अब तक 46 हजार 780 मीट्रिक टन से अधिक खाद का भण्डारण किया जा चुका है। वहीं किसानों को लगभग 19 हजार 913 मीट्रिक टन खाद का वितरण भी किया जा चुका है। वर्तमान में जिले में यूरिया, डीएपी, पोटाश, एनपीके एवं एसएसपी सहित पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अब तक 10 हजार 711 मीट्रिक टन अधिक खाद का भण्डारण किया गया है।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल पंजीकृत सहकारी समितियों एवं लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही खाद और बीज खरीदें तथा खरीदारी की रसीद अवश्य लें। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिले में खाद और बीज की पर्याप्त उपलब्धता है तथा खाद की कमी संबंधी भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें। किसानों को नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, हरी खाद एवं नील हरित काई जैसे विकल्पों के उपयोग के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होने के साथ-साथ भूमि की उवर्रा शक्ति भी बढ़ेगी।

साल्हेओना में बाबा वैद्यनाथ मिनरल्स क्रेशर सील

रायपुर। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खनिज विभाग ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सरिया तहसील के ग्राम साल्हेओना स्थित बाबा वैद्यनाथ मिनरल्स क्रेशर को सील कर दिया है। निरीक्षण के दौरान गौण खनिज भंडारण संबंधी नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर संचालक को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। कलेक्टर के निर्देश और खनि अधिकारी के मार्गदर्शन में खनिज अमले की टीम ने साल्हेओना क्षेत्र का निरीक्षण किया। जांच के दौरान बाबा वैद्यनाथ मिनरल्स, प्रो. रमेश कुमार अग्रवाल के नाम स्वीकृत डोलामाइट भंडारण स्थल का मौका निरीक्षण किया गया। इस इकाई को 41,550 मीट्रिक टन (एक समय) डोलामाइट भंडारण की अनुमति 13 जनवरी 2022 से 12 जनवरी 2032 तक के लिए प्रदान की गई है। निरीक्षण में पाया गया कि यहां छत्तीसगढ़ गौण खनिज (खनन, परिवहन एवं भंडारण) नियम, 2009 में निर्धारित शर्तों का पालन नहीं किया जा रहा था। नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी किया और क्रेशर को सील करने की कार्रवाई की।

खेती केवल आजीविका नहीं, हमारी संस्कृति और पहचान का आधार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

ड्रोन से लेकर जैविक खेती तक, कृषि के हर नवाचार को बढ़ावा दे रही है सरकार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आधुनिक तकनीकों, नवाचारों और किसान हितैषी नीतियों के माध्यम से खेती को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और सम्मानजनक बनाने की दिशा में राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर में आयोजित मुख्यमंत्री किसान संवाद में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए किसानों के साथ आत्मीय चर्चा करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने खेती-किसानी से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए तथा किसानों के प्रश्नों और सुझावों पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि वे स्वयं किसान परिवार से आते हैं और कम उम्र में ही खेती-किसानी तथा परिवार की जिम्मेदारियां संभालने का अवसर मिला। इसी कारण वे किसानों की जरूरतों, चुनौतियों और उनके संघर्ष को निकटता से समझते हैं। उन्होंने कहा कि पहले खेती पूरी तरह वर्षा पर निर्भर थी, आधुनिक तकनीकों और सुविधाओं का अभाव था, लेकिन आज कृषि क्षेत्र में बड़े परिवर्तन आए हैं। मशीनों, वैज्ञानिक पद्धतियों और नई तकनीकों के उपयोग से उत्पादकता बढ़ी है तथा किसानों के लिए नई संभावनाएं खुली हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के कल्याण को सवोच्च प्राथमिकता दी गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण, उन्नत बीज, सिंचाई सुविधाएं तथा कृषि यंत्रीकरण जैसी योजनाओं ने किसानों को आर्थिक संबल प्रदान किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार के दौरान गांवों में किसानों से सीधे संवाद के दौरान यह अनुभव हुआ है कि विभिन्न योजनाओं का लाभ किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों के चेहरे पर दिखाई देने वाला आत्मविश्वास ही सरकार की योजनाओं की वास्तविक सफलता है।

कार्यक्रम में शामिल ड्रोन दीदियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक की उपयोगिता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का छिड़काव कम समय, कम लागत और अधिक प्रभावशीलता के साथ किया जा सकता है। इससे खेती आधुनिक, वैज्ञानिक और लाभकारी बन रही है तथा महिलाओं के लिए भी रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर तैयार हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने नैनो यूरिया, नैनो डीएपी और जैविक खेती को भविष्य की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इनके उपयोग से लागत कम होती है, उत्पादन क्षमता बढ़ती है तथा मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण का संरक्षण भी सुनिश्चित होता है। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाने का आह्वान किया।

किसानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खाद और उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। राज्य और केंद्र सरकार द्वारा आगामी खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है तथा कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए सख्त निगरानी की जा रही है।

कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रगतिशील किसानों ने अमरूद, ड्रैगन फ्रूट, मौसंबी, पपीता और आम जैसी फसलों की उन्नत खेती के अपने अनुभव साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल विविधीकरण किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है तथा बदलते समय के अनुरूप किसानों को परंपरागत खेती के साथ-साथ बागवानी, प्राकृतिक कृषि, जैविक खेती और अन्य नवाचारों को अपनाना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का युवा खेती को केवल परंपरा नहीं बल्कि आधुनिक उद्यम के रूप में देख रहा है। यह परिवर्तन कृषि क्षेत्र के लिए अत्यंत सकारात्मक है। राज्य सरकार कृषि आधारित कौशल विकास, ड्रोन संचालन, कृषि मशीनरी, जैविक खेती और कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित कर रही है।

कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे नई तकनीकों और नवाचारों को अपनाने में संकोच न करें। समय के साथ बदलती तकनीकों को अपनाकर सीमित लागत में अधिक उत्पादन और बेहतर आय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में नवाचार, वैज्ञानिक सोच और आधुनिक तकनीक ही किसानों की समृद्धि का आधार बनेंगे।

मत्स्य पालकों को मिली नई उड़ान, आजीविका सशक्त बनाने मुख्यमंत्री ने वितरित की आधुनिक सामग्री

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सोमवार को कोंडागांव जिले के ग्राम पंचायत बड़ेकनेरा में आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए। इस अवसर पर मत्स्य पालन विभाग द्वारा जिले के मत्स्य पालकों एवं मत्स्य व्यवसाय से जुड़े हितग्राहियों को आजीविका संवर्धन के लिए विभिन्न आधुनिक उपकरण एवं सामग्री प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम मालाकोट के कमल सिंह नेताम एवं ग्राम जोबा के नरेंद्र कश्यप को मोटर साइकिल और आइस बॉक्स प्रदान किए। इन संसाधनों के माध्यम से अब दोनों हितग्राही अपनी मछलियों को सुरक्षित तरीके से दूरस्थ बाजारों तक पहुंचा सकेंगे, जिससे उनके व्यवसाय को नई गति मिलेगी। हितग्राहियों ने बताया कि पहले मछलियों के परिवहन और संरक्षण में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। आइस बॉक्स उपलब्ध होने से अब मछलियों की गुणवत्ता लंबे समय तक सुरक्षित रहेगी और उन्हें बाजार में बेहतर मूल्य प्राप्त होगा। वहीं मोटर साइकिल मिलने से परिवहन आसान होने के साथ-साथ समय और लागत की भी बचत होगी।

कार्यक्रम में ग्राम बड़ेकनेरा के ललित बघेल एवं रामलाल नेताम को मछली पकड़ने के लिए आधुनिक जाल वितरित किए गए। हितग्राहियों ने बताया कि नए जाल मिलने से मत्स्य उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी तथा व्यवसाय को और अधिक व्यवस्थित एवं लाभकारी बनाया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार पारंपरिक व्यवसायों को आधुनिक संसाधनों से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मत्स्य पालन आज ग्रामीण क्षेत्रों में आय का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभर रहा है और सरकार इस क्षेत्र से जुड़े हितग्राहियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनाकर उनकी आय और जीवन स्तर में स्थायी सुधार लाना है। हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं मत्स्य पालन विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन से प्राप्त यह सहयोग उनके व्यवसाय के विस्तार और आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सड़क दुर्घटना में चकनाचूर पेल्विस की हड्डी का सफल ऑपरेशन, सिम्स में युवक को मिला नया जीवन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सड़क दुर्घटनाओं में पेल्विस (श्रोणि) की हड्डी का गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो जाना तथा साथ ही एसीटैबुलम का फ्रैक्चर होना अत्यंत गंभीर एवं जटिल चोटों में गिना जाता है। ऐसे मामलों में समय पर विशेषज्ञ उपचार न मिलने पर स्थायी विकलांगता, चलने-फिरने में गंभीर कठिनाई तथा भविष्य में गठिया जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। इसी प्रकार के एक चुनौतीपूर्ण मामले में सिम्स बिलासपुर के अस्थि रोग विभाग ने सफल सर्जरी कर 40 वर्षीय अजय पटेल को नया जीवन प्रदान किया।

बिलासपुर निवासी अजय पटेल को 19 अप्रैल 2026 को बिल्हा क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में गंभीर चोटें आई थीं। दुर्घटना के बाद उन्हें तत्काल उपचार हेतु सिम्स बिलासपुर लाया गया, जहां जांच में उनकी दाहिनी पेल्विस में सेंट्रल हिप डिसलोकेशन के साथ एसीटैबुलम फ्रैक्चर

पाया गया। यह चोट अत्यंत जटिल मानी जाती है क्योंकि इसमें हिप जॉइंट अपनी सामान्य स्थिति से हट जाता है तथा उसे घेरने वाली पेल्विस की हड्डी भी क्षतिग्रस्त हो जाती है।

वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. तरुण सिंह ठाकुर की देखरेख में मरीज का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। चोट की गंभीरता एवं भविष्य में जोड़ की कार्यक्षमता को ध्यान में रखते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. बेन के मार्गदर्शन में विशेष सर्जिकल योजना तैयार की गई।

28 अप्रैल 2026 को विशेषज्ञ टीम द्वारा सफलतापूर्वक ओपन रिडक्शन एंड इंटरनल फिक्सेशन विद राइट एसीटैबुलर रिपेयर एवं ओपन रिडक्शन ऑफ हिप जॉइंट की जटिल सर्जरी की गई। ऑपरेशन के दौरान आधुनिक सी-आर्म फ्लोरोस्कोपी मशीन की सहायता से हड्डियों की स्थिति का लगातार मूल्यांकन किया गया, जिससे फ्रैक्चर के टुकड़ों को शारीरिक संरचना के अनुरूप सटीक रूप से स्थापित किया जा सका। सी-आर्म तकनीक के उपयोग से इम्प्लांट की सही स्थिति सुनिश्चित की गई तथा हिप जॉइंट का पूर्ण एनाटॉमिकल रिडक्शन प्राप्त किया गया। टूटे हुए एसीटैबुलम की मरम्मत कर उसे स्थिर किया गया तथा जोड़ को पुनः उसकी सामान्य स्थिति में स्थापित किया गया। यह प्रक्रिया तकनीकी रूप से अत्यंत चुनौतीपूर्ण मानी जाती है और इसके लिए उच्च स्तरीय सर्जिकल कौशल एवं आधुनिक उपकरणों की आवश्यकता होती है।

ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा मरीज की रिकवरी संतोषजनक रही। सर्जरी के बाद मरीज को विशेषज्ञ फिजियोथेरेपी एवं पुनर्वास कार्यक्रम के अंतर्गत रखा गया, जिससे वह धीरे-धीरे पुनः सामान्य गतिविधियों की ओर अग्रसर हो सका। चिकित्सकों के अनुसार समय पर किए गए ऑपरेशन एवं सटीक एनाटॉमिकल रिडक्शन से भविष्य में जोड़ की कार्यक्षमता बेहतर रहने तथा दीघर्कालिक जटिलताओं की संभावना कम होने की उम्मीद है। इस सफलता पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि सिम्स बिलासपुर में आधुनिक चिकित्सा तकनीकों, सी-आर्म आधारित उन्नत ट्रॉमा सर्जरी एवं अनुभवी चिकित्सकों की संयुक्त कार्यप्रणाली के कारण जटिल से जटिल पेल्विस एवं एसीटैबुलर चोटों का सफल उपचार संभव हो रहा है। यह संस्थान की उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाओं, टीमवर्क और विशेषज्ञता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

महिला सशक्तिकरण और मातृ-शिशु कल्याण योजनाओं से बदल रही जिंदगी : मुख्यमंत्री साय

बड़ेकनेरा में लाभार्थियों से रूबरू हुए मुख्यमंत्री, महिलाओं, बच्चों और स्व-सहायता समूहों को विभिन्न योजनाओं के तहत मिला लाभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोंडागांव जिले के ग्राम बड़ेकनेरा में महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कर उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने महिलाओं, बच्चों, किशोरियों और स्व-सहायता समूहों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभ प्रदान करते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण, सुरक्षित मातृत्व, पोषण और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में स्थायी सकारात्मक परिवर्तन लाना है। उन्होंने कहा कि जब किसी योजना का लाभ सीधे व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाता है, तभी सुशासन का उद्देश्य सार्थक होता है।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की

हितग्राही श्रीमती मनिता मरकाम और श्रीमती खेमलता कोर्राम को लाभान्वित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गर्भवती महिलाओं को समय पर पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह योजना माताओं और नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित मातृत्व की मजबूत आधारशिला बन रही है।

महतारी वंदन योजना बनी महिलाओं की आर्थिक ताकत : महतारी वंदन योजना से लाभान्वित श्रीमती संतोषी भोयर, जो घर पर पार्लर संचालन करती हैं, तथा श्रीमती संपत्ति मानिकपुरी, जो सब्जी व्यवसाय से जुड़ी हैं, ने मुख्यमंत्री को बताया कि योजना से प्राप्त राशि घरेलू जरूरतों को पूरा करने और छोटे व्यवसाय को सहारा देने में सहायक सिद्ध हो रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे परिवार की आर्थिक व्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक मजबूती परिवार और समाज दोनों को सशक्त बनाती है।

अन्नप्राशन संस्कार से बच्चों के स्वस्थ भविष्य की कामना : कार्यक्रम में अंजू कोर्राम एवं पद्मनी नेताम के बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया। इस अवसर पर माताओं को शिशुओं के समुचित पोषण, टीकाकरण और स्वास्थ्य देखभाल संबंधी जानकारी भी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के जीवन के प्रारंभिक वर्षों में पोषण पर विशेष ध्यान देना उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

गोद भराई कार्यक्रम से मातृत्व का सम्मान : गोद भराई कार्यक्रम के अंतर्गत मनीता मरकाम और गुड़िया मरकाम को सम्मानित किया गया। गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, सुरक्षित प्रसव और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ मां ही स्वस्थ समाज की आधारशिला होती है और गर्भवती महिलाओं की देखभाल सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

सुपोषण किट वितरण से कुपोषण के खिलाफ अभियान को मजबूती : कार्यक्रम में काव्यांश और रौशनी को सुपोषण किट प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ का निर्माण राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि सुपोषण किट के माध्यम से बच्चों और माताओं को आवश्यक पोषण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

कार्यक्रम में मनई यादव को सक्षम योजना के अंतर्गत लाभान्वित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना महिलाओं को कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का माध्यम बन रही है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ महिला कोष के अंतर्गत बड़ेकनेरा की एकता स्व-सहायता समूह को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व-सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत इकाई हैं और इनके माध्यम से महिलाओं में उद्यमिता, बचत और आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा मिल रहा है।

कार्यक्रम में प्रिया नेताम, महिमा, नंदनी पटेल, पुष्पा नायक एवं हीना को हाइजीन किट प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि किशोरियों में स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है, क्योंकि स्वस्थ किशोरी ही स्वस्थ परिवार और समाज के निर्माण की आधारशिला बनती है। कार्यक्रम में कंसोराम नेताम एवं गांधीराम नेताम को बच्चों की देखभाल तथा आंगनबाड़ी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : भारत की शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन या केवल दस्तावेज?

विनय कुमार सिंह,

भारत की शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से अनेक संरचनात्मक चुनौतियों का सामना करती रही है। रटंत अधिगम, परीक्षा-केंद्रित प्रणाली, कौशल आधारित शिक्षा का अभाव, शोध एवं नवाचार में कमजोरी, शिक्षकों की गुणवत्ता, ग्रामीण-शहरी असमानता तथा रोजगार और शिक्षा के बीच बढ़ती दूरी ने भारतीय शिक्षा मॉडल को गंभीर प्रश्नों के घेरे में खड़ा किया है। ऐसे समय में वर्ष 2020 में घोषित National Education Policy 2020 को स्वतंत्र भारत की सबसे व्यापक और परिवर्तनकारी शिक्षा नीति के रूप में प्रस्तुत किया गया। सरकार ने इसे 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप 'समग्र, लचीली, बहुविषयक और कौशल-आधारित शिक्षा' की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

किन्तु प्रश्न यह है कि क्या यह नीति वास्तव में भारतीय शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन ला पाएगी, या यह भी पूर्व की नीतियों की तरह केवल एक आदर्शवादी दस्तावेज बनकर रह जाएगी? इस प्रश्न का उत्तर नीति के उद्देश्यों, संरचना, संभावनाओं, चुनौतियों और क्रियान्वयन की वास्तविकता के विश्लेषण में निहित है।

शिक्षा नीति की आवश्यकता क्यों पड़ी?

भारत में इससे पहले 1968 और 1986 में राष्ट्रीय शिक्षा नीतियाँ लागू की गई थीं। किंतु पिछले तीन दशकों में विश्व तेजी से बदल चुका है। वैश्वीकरण, डिजिटल क्रांति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑटोमेशन और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था ने शिक्षा के स्वरूप को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया है। वतर्मान समय में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है; अब समस्या समाधान, आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता, डिजिटल दक्षता और नवाचार जैसी क्षमताएँ अनिवार्य हो चुकी हैं।

दुर्भाग्यवश भारतीय शिक्षा प्रणाली लंबे समय तक परीक्षा और प्रमाणपत्रों तक सीमित रही। लाखों युवा डिग्री प्राप्त करने के बावजूद रोजगार योग्य कौशल से वंचित रहे। विद्यालयों में सीखने की गुणवत्ता पर अनेक रिपोर्टों ने चिंता व्यक्त की। उच्च शिक्षा संस्थानों में शोध और नवाचार की स्थिति भी वैश्विक स्तर की तुलना में कमजोर रही। इसी पृष्ठभूमि में नई शिक्षा नीति की आवश्यकता महसूस की गई।

नीति की प्रमुख विशेषताएँ : परिवर्तन की दिशा

1. 5+3+3+4 संरचना : बाल-केंद्रित शिक्षा की ओर

National Education Policy 2020 की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक 5+3+3+4 शैक्षिक संरचना है, जिसने पारंपरिक 10+2 प्रणाली का स्थान लिया है। यह नई संरचना बच्चों के संज्ञानात्मक (Cognitive), सामाजिक और भावनात्मक विकास की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसका उद्देश्य शिक्षा को अधिक बाल-केंद्रित, लचीला और विकासात्मक बनाना है।

इस संरचना में पहले 5 वर्ष (3 वर्ष प्री-स्कूल + कक्षा 1 और 2) को Foundational Stage कहा गया है, जहाँ खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और अनुभवात्मक अधिगम पर बल दिया गया है। इसके बाद 3 वर्ष (कक्षा 3 से 5) Preparatory Stage, 3 वर्ष (कक्षा 6 से 8) Middle Stage और अंतिम 4 वर्ष (कक्षा 9 से 12) Secondary Stage के रूप में निर्धारित किए गए हैं।

यह मॉडल इस वैज्ञानिक तथ्य पर आधारित है कि बच्चे के मस्तिष्क का लगभग 85 प्रतिशत विकास छह वर्ष की आयु तक हो जाता है। इसलिए प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (Early Childhood Care and Education) को औपचारिक शिक्षा से जोड़ना आवश्यक माना गया। नई संरचना विद्यार्थियों में जिज्ञासा, रचनात्मकता, भाषा कौशल और तार्किक सोच विकसित करने का प्रयास करती है। इस प्रकार 5+3+3+4 मॉडल केवल कक्षाओं का पुनर्गठन नहीं, बल्कि बाल-केंद्रित और समग्र शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण सुधार है।

मातृभाषा में शिक्षा : भारतीय संदर्भ की स्वीकार्यता

Education Policy 2020 ने कक्षा 5 तक तथा संभव हो तो कक्षा 8 तक मातृभाषा, स्थानीय भाषा या क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा प्रदान करने की सिफारिश की है। यह प्रावधान इस वैज्ञानिक और शैक्षिक तथ्य पर आधारित है कि बच्चे अपनी मातृभाषा में अधिक सहजता से सीखते, समझते और अभिव्यक्त होते हैं। प्रारंभिक शिक्षा यदि बच्चे की परिचित भाषा में दी जाए, तो उसकी सीखने की गति, आत्मविश्वास और बौद्धिक विकास बेहतर होता है।

भारतीय संदर्भ में यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत भाषाई और सांस्कृतिक विविधता वाला देश है। अनेक शोधों से यह सिद्ध हुआ है कि मातृभाषा में शिक्षण से बच्चों की अवधारणात्मक समझ (Conceptual Understanding) मजबूत होती है तथा वे विषयों को रटने के बजाय वास्तविक रूप से समझ पाते हैं। इससे विद्यालय छोड़ने की दर भी कम हो सकती है और सीखने के परिणाम बेहतर हो सकते हैं।

हालाँकि, इस नीति के क्रियान्वयन में कई चुनौतियाँ भी हैं, जैसे गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता, स्थानीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री का विकास तथा प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी। इसके अतिरिक्त, अनेक अभिभावक अंग्रेजी को रोजगार और सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़कर देखते हैं। इसलिए मातृभाषा और वैश्विक भाषाओं के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। सही क्रियान्वयन के साथ यह पहल भारतीय शिक्षा को अधिक समावेशी, प्रभावी और बाल-केंद्रित बना सकती है।

रटंत शिक्षा से कौशल आधारित अधिगम की ओर

भारतीय शिक्षा व्यवस्था लंबे समय तक रटंत अधिगम (Rote Lerning) पर आधारित रही, जहाँ विद्यार्थियों की सफलता का आकलन मुख्यतः तथ्यों और सूचनाओं को याद रखने की क्षमता के आधार पर किया जाता था। इस प्रणाली में परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना प्राथमिक लक्ष्य बन गया था, जबकि वास्तविक जीवन में आवश्यक कौशलों के विकास पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता था। परिणामस्वरूप, अनेक विद्यार्थी डिग्री प्राप्त करने के बावजूद रोजगार, नवाचार और समस्या समाधान की चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हो पाते थे।

National Education Policy 2020 ने इस पारंपरिक दृष्टिकोण को बदलते हुए कौशल आधारित अधिगम (Skill-Based LeÔrning) पर विशेष बल दिया है। नई नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें जीवन और कार्यक्षेत्र में सफल होने के लिए आवश्यक दक्षताओं से सशक्त बनाना है। इसमें आलोचनात्मक चिंतन (Critical Thinking), समस्या समाधान (Problem Solving), रचनात्मकता (CreÔtivity), संचार कौशल (Communication Skills), सहयोगात्मक कार्य (Collaboration) और डिजिटल साक्षरता जैसे 21वीं सदी के कौशलों को महत्व दिया गया है।

नीति अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Lerning), परियोजना आधारित शिक्षण (Project-Based Lerning), व्यावहारिक गतिविधियों और वास्तविक जीवन के अनुभवों को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाने की वकालत करती है। इससे विद्यार्थी केवल परीक्षा के लिए नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था, रोजगार बाजार और सामाजिक चुनौतियों के लिए भी तैयार हो सकेंगे। इस प्रकार, रटंत शिक्षा से कौशल आधारित अधिगम की ओर परिवर्तन भारतीय शिक्षा को अधिक प्रासंगिक, व्यावहारिक और भविष्य उन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बहुविषयक शिक्षा और लचीलापन (Multidisciplinary Education and Flexibility)

National Education Policy 2020 का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य शिक्षा को अधिक लचीला और बहुविषयक बनाना है। लंबे समय तक भारतीय शिक्षा व्यवस्था में विज्ञान (Science), वाणिज्य (Commerce) और कला (Arts) के बीच कठोर विभाजन रहा, जिसके कारण विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विषय चुनने की स्वतंत्रता नहीं मिल पाती थी। इससे उनकी रचनात्मकता और समग्र विकास प्रभावित होता था।

नई शिक्षा नीति इस पारंपरिक व्यवस्था को बदलते हुए विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों के संयोजन का अवसर प्रदान करती है। उदाहरण के लिए, अब कोई विद्यार्थी विज्ञान के साथ संगीत, गणित के साथ इतिहास या कला के साथ कंप्यूटर विज्ञान का अध्ययन कर सकता है। इससे शिक्षा अधिक रुचि-आधारित, प्रासंगिक और जीवनोपयोगी बनती है।

बहुविषयक शिक्षा का उद्देश्य केवल विषय ज्ञान देना नहीं, बल्कि व्यापक दृष्टिकोण, आलोचनात्मक चिंतन, नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करना है। आज के जटिल और परस्पर जुड़े हुए विश्व में अधिकांश समस्याओं का समाधान केवल एक विषय के ज्ञान से संभव नहीं है। इसलिए विभिन्न विषयों की समझ आवश्यक हो गई है।

यह लचीलापन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और करियर लक्ष्यों के अनुरूप शिक्षा प्राप्त करने का अवसर देता है। साथ ही, यह उन्हें 21वीं सदी की बदलती आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी चुनौतियों का सामना करने के लिए अधिक सक्षम बनाता है। इस प्रकार बहुविषयक शिक्षा भारतीय शिक्षा व्यवस्था को अधिक आधुनिक, समावेशी और भविष्य उन्मुख बनाती है।

व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास (Vocational Education and Skill Development)

National Education Policy 2020 ने व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education) और कौशल विकास (Skill Development) को शिक्षा प्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनाने पर विशेष बल दिया है। लंबे समय तक भारत में व्यावसायिक शिक्षा को सामान्य शिक्षा की तुलना में कम महत्व दिया जाता रहा, जिसके कारण बड़ी संख्या में युवा डिग्री प्राप्त करने के बावजूद रोजगार योग्य कौशलों से वंचित रहे। इससे शिक्षा और रोजगार के बीच एक बड़ा अंतर उत्पन्न हुआ।

नई शिक्षा नीति का उद्देश्य इस अंतर को कम करना है। इसके तहत कक्षा 6 से ही विद्यार्थियों को विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों, स्थानीय शिल्प, इंटर्नशिप और कार्य-अनुभव (Work Experience) से परिचित कराने की व्यवस्था की गई है। इससे विद्यार्थी प्रारंभिक स्तर पर ही विभिन्न व्यवसायों और कौशलों के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

कौशल विकास के अंतर्गत डिजिटल साक्षरता, कोडिंग, उद्यमिता (Entrepreneurship), संचार कौशल, समस्या समाधान और तकनीकी दक्षताओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बनाना भी है।

आज के वैश्विक और प्रतिस्पर्धी दौर में उद्योगों को ऐसे मानव संसाधन की आवश्यकता है, जिनके पास व्यावहारिक कौशल और कार्यकुशलता हो। इसलिए व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास न केवल रोजगार के अवसर बढ़ाते हैं, बल्कि देश की आर्थिक प्रगति, उत्पादकता और आत्मनिर्भरता को भी मजबूत करते हैं। इस प्रकार यह पहल शिक्षा को अधिक उपयोगी, रोजगारोन्मुख और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उच्च शिक्षा में सुधार (Reforms in Higher Education)

National Education Policy 2020 ने भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में व्यापक और संरचनात्मक सुधारों का प्रस्ताव रखा है। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण, बहुविषयक, लचीला, शोधोन्मुख और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है। लंबे समय से भारतीय विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को शोध की कमी, विषयों के कठोर विभाजन, सीमित शैक्षणिक स्वतंत्रता तथा रोजगारोन्मुख शिक्षा के अभाव जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था।

नई शिक्षा नीति के तहत बहुविषयक (Multidisciplinary) विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को बढ़ावा दिया गया है, जहाँ विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न विषयों का अध्ययन कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, Academic Bank of Credits (ABC) और Multiple Entry–Exit System जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा में अधिक लचीलापन प्रदान किया गया है। यदि किसी कारणवश विद्यार्थी अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ देता है, तो उसे उसके अध्ययन के अनुरूप प्रमाणपत्र, डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

नीति में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए National ReseÔrch Foundation (NRF) की स्थापना का प्रस्ताव भी किया गया है। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालयों में शोध संस्कृति को मजबूत करना और वैश्विक स्तर की अनुसंधान क्षमता विकसित करना है। साथ ही, उच्च शिक्षा संस्थानों के बेहतर नियमन और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत नियामक ढाँचे की परिकल्पना की गई है।

इस प्रकार, नई शिक्षा नीति के उच्च शिक्षा संबंधी सुधार विद्यार्थियों को अधिक स्वतंत्र, रचनात्मक और शोधोन्मुख बनाने के साथ-साथ भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

क्या नीति वास्तव में क्रांतिकारी है?

National Education Policy 2020 को स्वतंत्र भारत की सबसे व्यापक और दूरदर्शी शिक्षा नीति माना जा रहा है। लगभग 34 वर्षों के अंतराल के बाद आई यह नीति केवल पाठ्यक्रम में बदलाव तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा के पूरे दर्शन, संरचना और उद्देश्य को पुनर्परिभाषित करने का प्रयास करती है। इस दृष्टि से इसे एक क्रांतिकारी पहल कहा जा सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह है कि यह नीति शिक्षा को केवल परीक्षा और डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं मानती, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास (Holistic Development) पर बल देती है। इसमें आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता, समस्या समाधान, संचार कौशल, नैतिक मूल्यों और जीवन कौशलों को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाया गया है। यह दृष्टिकोण पारंपरिक रटंत शिक्षा प्रणाली से एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है।

नीति की दूसरी बड़ी विशेषता इसकी बहुविषयक (Multidisciplinary) सोच है। विज्ञान, वाणिज्य और कला के बीच लंबे समय से चली आ रही सीमाओं को समाप्त कर विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार विषय चुनने की स्वतंत्रता प्रदान की गई है। यह व्यवस्था विद्यार्थियों को अधिक रचनात्मक, नवाचारी और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार बनाने में सहायक हो सकती है।

इसके अतिरिक्त, प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, मातृभाषा में शिक्षण, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और शोध एवं नवाचार पर विशेष ध्यान दिया गया है। नीति ने शिक्षा को रोजगार, तकनीकी परिवर्तन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा से जोड़ने का प्रयास किया है, जो 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप है।

हालाँकि, किसी भी नीति की क्रांतिकारिता केवल उसके विचारों से नहीं, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन से सिद्ध होती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में नीति को लागू करना आसान नहीं है। शिक्षकों की कमी, अपर्याप्त वित्तीय संसाधन, डिजिटल असमानता, राज्यों के बीच शैक्षिक विषमताएँ और प्रशासनिक चुनौतियाँ इसके मार्ग में बड़ी बाधाएँ हैं। यदि इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो नीति के अनेक उद्देश्य केवल कागजों तक सीमित रह सकते हैं।

अतः यह कहा जा सकता है कि नई शिक्षा नीति 2020 अपने दृष्टिकोण, उद्देश्यों और संरचनात्मक सुधारों के कारण निस्संदेह क्रांतिकारी है। किंतु इसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे जमीनी स्तर पर कितनी गंभीरता, संसाधनों और प्रतिबद्धता के साथ लागू किया जाता है। यदि प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ, तो यह नीति भारतीय शिक्षा व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन ला सकती है; अन्यथा यह भी एक महत्वाकांक्षी दस्तावेज बनकर रह जाने का जोखिम रखती है।

(लेखक : माँ गौरी समग्र एवं परिवर्तनकारी शिक्षा संस्थान और तेजस आईएएस अकादमी के निदेशक हैं।)

आगे की दिशा : क्या किया जाना चाहिए?

National Education Policy 2020 ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था के लिए एक व्यापक और दूरदर्शी रोडमैप प्रस्तुत किया है, किंतु किसी भी नीति की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। यदि भारत को वास्तव में ज्ञान-आधारित, नवाचारी और समावेशी समाज का निर्माण करना है, तो निम्नलिखित क्षेत्रों में विशेष प्रयास किए जाने चाहिए।

1. शिक्षक सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता

किसी भी शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता उसके शिक्षकों पर निर्भर करती है। इसलिए शिक्षकों के लिए निरंतर व्यावसायिक विकास (Continuous Professional Development), आधुनिक शिक्षण तकनीकों का प्रशिक्षण, डिजिटल दक्षता तथा शैक्षणिक नेतृत्व विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। शिक्षकों को केवल प्रशासनिक कार्यों तक सीमित रखने के बजाय उन्हें सीखने की प्रक्रिया का वास्तविक मार्गदर्शक बनाया जाना चाहिए।

2. शिक्षा पर सार्वजनिक निवेश बढ़ाना

नीति में शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 6 प्रतिशत व्यय करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को वास्तविकता में बदलने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। गुणवत्तापूर्ण विद्यालय, प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय, डिजिटल अवसंरचना और शोध सुविधाएँ बिना पर्याप्त निवेश के संभव नहीं हैं।

3. कौशल और रोजगारोन्मुख शिक्षा को बढ़ावा

विद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को उद्योगों की आवश्यकताओं से जोड़ा जाना चाहिए। इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप, उद्यमिता शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और स्थानीय रोजगार अवसरों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि शिक्षा और रोजगार के बीच की दूरी कम हो सके।

4. डिजिटल समानता सुनिश्चित करना

डिजिटल शिक्षा के विस्तार के साथ यह आवश्यक है कि ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी इंटरनेट, उपकरणों और डिजिटल सामग्री तक समान पहुँच प्राप्त हो। अन्यथा डिजिटल विभाजन (Digital Divide) सामाजिक और शैक्षिक असमानताओं को और बढ़ा सकता है।

5. अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति विकसित करना

विश्वविद्यालयों में शोध अनुदान, नवाचार प्रयोगशालाएँ, उद्योग-अकादमिक सहयोग और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। भारत को केवल ज्ञान उपभोक्ता नहीं, बल्कि ज्ञान उत्पादक राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

6. समावेशी और समान शिक्षा

महिलाओं, ग्रामीण विद्यार्थियों, जनजातीय समुदायों, दिव्यांग विद्यार्थियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा जब प्रत्येक विद्यार्थी को समान अवसर प्राप्त हो।

नई शिक्षा नीति 2020 ने परिवर्तन की दिशा निर्धारित कर दी है, लेकिन अब आवश्यकता है कि इसे कागजों से निकालकर कक्षाओं तक पहुँचाया जाए। शिक्षक सशक्तिकरण, पर्याप्त निवेश, कौशल विकास, डिजिटल समावेशन और शोध संस्कृति को मजबूत करके ही भारत शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व स्थापित कर सकता है। शिक्षा सुधार एक निरंतर प्रक्रिया है, और इसकी सफलता सरकार, शिक्षकों, अभिभावकों, उद्योग जगत तथा समाज के सामूहिक प्रयासों पर निर्भर करेगी। तभी शिक्षा वास्तव में राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत के सपने को साकार करने का माध्यम बन सकेगी।

सम्पादकीय

संपादकीय

पद पर हैं और विनम्र नहीं है यही समस्या है

सरकारी पद पर है, जनप्रतिनिधि हैं, पार्षद है, विधायक हैं, सांसद है, मंत्री है किसी भी पद पर हैं तो आपसे यही अपेक्षा की जाती है कि आप विनम्र रहें। आदमी जितने बड़े पद पर हो, उसे उतना ही ज्यादा विनम्र होना चाहिए। वह जितना विनम्र होता है जनता को उतना ही अ्चछा लगता है, जनता उसे उतना ही अच्छा कहती है। जो जितना अहंकार का प्रदर्शन अपने हावभाव व भाषा के जरिए करता है उसे जनता पसंद नहीं करती है और जनता सरकार से यह अपेक्षा करती है कि ऐसे व्यक्ति को सजा दी जाए जिसका काम जनता की सेवा करना है, वह जनता से अभद्रता कर रहा है। सुशासन तिहार के शुरू होने के पहले सीएम साय ने साफ कर दिया था कि सुशासन तिहार के दौरान जनता के साथ अभद्रता सहन नहीं की जाएगी। यह राज्य के तमाम अफसरों व कर्मियों के लिए साफ संदेश था कि सुशासन तिहार जनता उसके पास जाकर सेवा करने का मौका है ऐसे मौके पर जनता को नहीं लगना चाहिए कि कोई सेवक नहीं शासक है।

सुशासन तिहार चल रहा है तो चाहे व जनप्रतिनिधि हो या शासकीय अफसर दोनों को यह याद रखने की जरूरत है कि दोनों अगर किसी पद पर हैं तो उनका मुख्य काम जनता की सेवा करना है ।वह जनता से बुरा व्यवहार करेंगे तो उनको उसकी सजा मिलेगी। दुर्ग जनपद पंचायत के सीईओ रूपेश कुमार पांडेय भी पद पर है तो उनका काम जनता की सेवा करना है, लोगों से बदतमीजी करना नहीं है। उन्होंने सुशासन तिहार के दौरान ही विधायक के सामने भाजपा नेताओं व लोगों एक तो बहस की उस पर यह तक कह दिया कि जो करना है कर लो। इस पर उनके खिलाफ कार्रवाई तो होनी ही थी ।आज का दौर मोबाइल को है तो कोई न कोई हर घटना का वीडियो बना लेता है यानी सबूत तक रहता है कि अधिकारी ने कैसे

बदतमीजी की है। इसके बाद भाजपा नेताओं ने उनको हटाने के लिए मुहिम शुरू कर दी, उनको नहीं हटाया जाता तो भाजपा नेताओं में नाराजगी फैलती इसलिए सीएम साय के निर्देश पर निलंबित कर दिया गया है।

सुशासन के दौरान सीएम साय ने जनप्रतिनिधि व शासकीय कमर्चारियों को साफ संदेश दे दिया है कि जनता के साथ बुरा व्यवहार सहन नहीं किया जाएगा। वह सीएम है इसलिए उनको तो सभी के साथ समान व्यवहार करना होता है लेकिन चाहे वह कोई शासकयी कर्मी हो या अफसर हो किसी पद पर रहने के कारण अपना अहंकार होता है कि मैं तो सीईओ हूं, मैं तो नायब तहसीलदार हूं। कोई मुझसे ऐसे कैसे पेश आ सकता है। इसी तरह जनप्रतिनिधि का अपना अहंकार होता है कि मैं तो विधायक हूं, मैं तो सांसद हूं कोई अधिकारी मेरा कहना मानने से कैसे मना कर सकता है ।जब एक आदमी अहंकार दिखाता है तो दूसरे आदमी का भी अहंकार जाग जाता है और दोनों के अहंकार के कारण विवाद की स्थिति बनती है। अफसर को लगता है कि विधायक ने गलती की है तो विधायक को लगता है कि सारी गलती तो अफसर की है।

कहीं अफसर की गलती होती है तो उसकी सजा जैसे अफसर को मिलती है, उसी तरह जब विधायक व सांसद की गलती रहती है तो उसे भी सजा मिलनी चाहिए। अगर उसने कानून गलत किया है तो कानून के अनुसार उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सरगुजा जिले के राजपुर उपतहसील के नायब तहसीलदार तुषार मानिक के साथ मारपीट का विधायक रामकुमार टोप्पो पर लगाया गया है। छग कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने नायब तहसीलदार के साथ मारपीट के मामले में विधायक की गिरफ्तारी की मांग की है और आंदोलन शुरू कर दिया है। अब मामला बिगड़ने के बाद विधायक कह रहे हैं कि वह खुद गिरफ्तारी देने को तैयार है, अधिकारी काम पर लौट आएं। आप किसी भी पद पर है तो कानून हाथ में लेने का अधिकार विधायक को नहीं है। यह बात विधायक को पहले समझ आनी चाहिए। मामला बिगड़ने के बाद समझदारी दिखाने का कोई मतलब नहीं होता है।

एक महीने का सुशासन तिहार शुरू होने के पहले ही सीएम साय ने साफ कर दिया था कि इस दौरान चाहे वह विधायक हौ, कोई भाजपा पदाधिकारी हो, कोई अफसर हो सबको जनता के साथ तमीज से पेश आना है क्योंकि इस एक माह के दौरान जनता को नहीं लगना चाहिए कि अफसर हो या विधायक हों वह जनता के सेवक नहीं है, जनता को एक माह के दौरान यही लगना चाहिए कि विधायक भी उनकी सेवा के लिए है और सासंद विधायक और तमाम मंत्री भी उनकी सेवा के लिए है ।सीएम साय चाहे विधायक हो या अफसर मे यही सेवा भाव पैदा करने के लिए सुशासन तिहार एक माह चलाने का फैसला किया और इस दौरान जनता को यह एहसास दिलाने का प्रयास किया है कि सब जनता की सेवा के लिए हैं लेकिन जब भी कोई सीईओ या विधायक अपना अहंकार दिखाता है तो सारी मेहनत पर पानी फिर जाता है। जनता के सामने हकीकत आ जाती है कि इस प्रदेश के ज्यादातर विधायक व अफसर कैसे हैं।

मुद्दे की बात

डॉ.सोनाली चक्रवर्ती के साथ

नई दृष्टिबिंदु

भाषा से करनी होगी स्त्री सम्मान की शुरुआत

दृश्य-1. आईटी सेक्टर में काम करने वाले स्मार्ट प्रोफेशनल 12 से 20000 की टिकट खरीद के स्टैंड अप कॉमेडी शो देखने जाते हैं जिसमें मां बहन की भयानक गालियां दी जाती है और उन को सुनकर यह पढ़े-लिखे जवान जोर-जोर से हंस रहे हैं

दृश्य-2. सिविक सेंटर में एक लड़की गर्मी के कारण दुपट्टे से मुंह ढके आ रही थी ।उसकी सहेली ने कहा -"आ गई संस्कारी बहु" यह सुनकर लड़की ने एक भयानक गाली देकर अपनी सहेली के पीठ पर मारा और कहा -"मुझे गाली क्यों दे रही है?" और सारे बच्चे खिल खिलाकर हंसने लगे सबसे बड़ी आशा सबसे निराशाजनक क्षणों में जन्म लेती हैं

ये पंक्तियाँ कहीं पढ़ा था मैंने बहुत बचपन में इसलिए कभी-कभी जब कोई रास्ता नहीं दिखता तब खुद का एक छोटा रास्ता बनाती हूं। जमीन पर काम करने की आदत है ।इससे यदि तीन व्यक्तियों की भी जिंदगी बदलती है तो वही मेरी उपलब्धि है। हमारी भाषा की लड़ाई पूरे देश में जारी है। लोग अपशब्द और अभद्र भाषा में अंतर भी भूल गए हैं। सिर्फ गाली देना ही खराब भाषा नहीं है। बदतमीजी करना भी खराब है यह बात बड़े ही नहीं जानते तो बच्चों को क्या सिखाएंगे?

गालियाँ देने (अपशब्दों के प्रयोग) की शुरुआत किसी एक निश्चित तारीख या व्यक्ति से नहीं हुई है, बल्कि मानव इतिहास की शुरुआत से ही जब भाषा बनी, तब से ही गुस्से या अपमान को व्यक्त करने के लिए गालियों का उपयोग मौखिक रूप से किया जा रहा है ।हर संस्कृति और युग में गालियों का रूप अलग-अलग रहा है। प्राचीन काल या पुराने समय में लोग भगवान या प्रकृति के नाम पर किसी को शाप देते थे, जो एक तरह की गाली ही होती थी।

मध्यकाल में रोम, ग्रीक या अन्य प्राचीन सभ्यताओं में युद्ध या लड़ाई के समय मर्दानगी पर सवाल उठाना या शारीरिक अंगों पर भद्दे कमेंट करना आम था ।सांस्कृतिक विकास के इतिहासकारों के अनुसार, जैसे-जैसे समाज बदला, वैसे-वैसे भाषाओं में यौन अंगों या माँ-बहन से जुड़े अपशब्दों का प्रचलन बढ़ा ।गालियों की उत्पत्ति मानव स्वभाव (क्रोध, निराशा और शक्ति प्रदर्शन) से जुड़ी हुई है। किसी भी प्रामाणिक दस्तावेज में इसका आविष्कार नहीं बताया गया है, यह एक अनादि काल से चली आ रही सामाजिक विकृति है। लेकिन आज मानवता के आधुनिक युग में ऐसी भाषा मन में वितृष्णा जगाती है।

स्त्री सम्मान की दिशा में जो महत्वपूर्ण कार्य किया जाना चाहिए वह है स्त्रियों के प्रति भाषा का सुधारना। गालियों में स्त्री सूचक अपशब्द व माता ,बहनों, महिलाओं के लिए असभ्य, अभद्र भाषा के प्रयोग पर तुरंत रोक लगाने के लिए कोई कानून बने यह हमारी मांग है। सार्वजनिक३ रूप से या

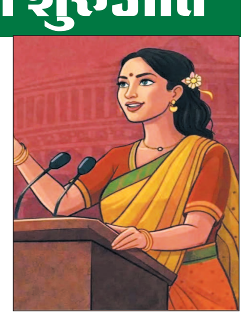

आपसी बातचीत में भी गालियों पर रोक लगाने के लिए कोई कड़ा कानून व सजा का प्रावधान हो यह सभी माताओं की इच्छा है। जब भी ऐसी कोई गाली दी जाती है तो उस समय न केवल वहां उपस्थित कोई महिला वरन संपूर्ण नारी जाति का अपमान होता है। श्री राम की जन्मभूमि पर यह नितांत असहनीय स्थिति है। जहां राम राज्य में माता सीता जी के अपमान पर श्रीराम जी पूरी सेना लेकर रावण का वध करते हैं। उस देश में स्त्री विरोधी भाषा देश के विकास व रामराज्य की परिकल्पना के राह मे बहुत बड़ा अवरोध है।

सरहदों पर तो देश की बेटियां खुद को साबित कर ही रही है पर देश के अंदर हम घरेलू माताएं हैं जो बच्चों को संस्कारित कर अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा कर सकते हैं। सबसे पहले ओटीटी पर चल रहे वेब सीरीज पर लगनी चाहिए जो सिर्फ बच्चों को गालियां सिखा रहे हैं। ओटीटी के लिए भी शीघ्र सेंसर बोर्ड का गठन किया जाए। इन गालियों के पीछे सबसे बड़ा कारण है स्त्री विरोधी मानसिकता।

आपका क्या कहना है जरूर बताइएगा : डॉ.सोनाली चक्रवर्ती

आज जयंती (4 जून) पर विशेष...

प्रभात झा : लोकसंग्रह और संघर्ष से बनी शख्सियत

प्रो. संजय द्विवेदी

यह नवें दशक के बेहद चमकीले दिन थे। उदारीकरण और भूमंडलीकरण जिंदगी में प्रवेश कर रहे थे। दुनिया और राजनीति तेजी से बदल रहे थी। उन्हीं दिनों मैं छात्र आंदोलनों से होते हुए दुनिया बदलने की तलब से भोपाल में पत्रकारिता की पढ़ाई करने आया था। एक दिन प्रभात झा जी अचानक सामने थे, बताया गया कि वे पत्रकार रहे हैं और भाजपा का मीडिया देखते हैं। इस तरह एक शानदार इंसान, दोस्तबाज,तेज हंसी हंसने वाले, बेहद खुले दिलवाले झा साहब हमारी जिंदगी में आ गए। मेरे जैसे नये-नवेले पत्रकार के लिए यह बड़ी बात थी कि जब उन्होंने कहा कि" तुम स्वदेश में हो, मैं भी स्वदेश में रह चुका हूं।" सच एक पत्रकार और संवाददाता के रूप में ग्वालियर में उन्होंने जो पारी खेली वह आज भी लोगों के जेहन में हैं। एक संवाददाता कैसे जनप्रिय हो सकता है, वे इसके उदाहरण हैं। रचना,सृजन, संघर्ष और लोकसंग्रह से उन्होंने जो महापरिवार बनाया मैं भी उसका एक सदस्य था।

उत्साह, ऊर्जा और युवा पत्रकारों को प्रोत्साहित कर दुनिया के सामने ला खड़े करने वाला प्रभात जी का स्वभाव उन्हें खास बनाता था। अब उनका पर्याय नहीं है। वे अपने ढंग के अकेले राजनेता थे,जिनका पत्रकारों, लेखकों, बुद्धिजीवियों से लेकर पार्टी के साधारण कार्यकर्ताओं तक आत्मीय संपर्क था। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे। फिर उसकी विचारधारा से जुड़े अखबार में रहे और बाद में भाजपा को समर्पित हो गये। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तक उनकी यात्रा उनका एकांगी परिचय है। वे विलक्षण संगठनकर्ता, अप्रतिम वक्ता और इन सबसे बढ़कर बेहद उदार व्यक्ति थे। उनके जीवन में कहीं जड़ता और कट्टरता नहीं थी। वे समावेशी उदार हिंदू मन का ही प्रतीक थे। उनका न होना मेरी व्यक्तिगत क्षति है। वे मेरे संरक्षक, मार्गदर्शक और सलाहकार बने रहे। उनकी प्रेरणा और प्रोत्साहन ने मेरे जैसे न जाने कितने युवाओं को प्रेरित किया।

उनके निधन से समाज जीवन में जो रिक्तता बनी है, उसे भर पाना कठिन है। छात्र जीवन से ही उनका मेरे कंधे पर जो हाथ था,वह कभी हटा नहीं। भोपाल, रायपुर, बिलासपुर, मुंबई मेरी पत्रकारीय यात्रा के पड़ाव रहे,प्रभात जी हर जगह मेरे साथ रहे। वे आते और उससे पहले उनका फोन आता। उनमें दुर्लभ गुरूत्वाकर्षण था। उनके पास बैठना और उन्हें सुनने का सुख भी विरल था। किस्सों की वे खान थे। भाजपा की राजनीति और उसकी भावधारा को मैं जितना समझ पाया उसमें श्री प्रभात झा और स्व .लखीराम अग्रवाल का बड़ा योगदान है। भाजपा की अंर्तकथाएं सुनाते फिर हिदायत भी देते, ये छापने के लिए नहीं, तुम्हारी जानकारी और समझ के लिए है।

मुझे नहीं पता कि प्रभात जी पत्रकारिता में ही रहते तो क्या होते। किंतु भाजपा में रहकर उन्होंने 'विचार' के लिए जगह बनाकर प्रकाशन, लेखन और मीडिया के पक्ष को बहुत मजबूत किया। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की जमीन पर भाजपा के विचार को मीडिया और बौद्धिक वर्ग में उन्होंने लोकस्वीकृति दिलाई। वे 'कमल संदेश' जैसे भाजपा के राष्ट्रीय मुखपत्र के वर्षों संपादक रहे। राज्यों में भाजपा की पत्रिकाएं और प्रकाशन ठीक निकलें , ये उनकी चिंता के मुख्य विषय थे। आमतौर पर राजनेता जिन बौद्धिक विषयों को अलक्षित रखते थे, प्रभात जी उन विषयों पर सजग रहते। वे उन कुछ लोगों में थे जिनका हर दल और विचारधारा से जुड़े लोगों से संवाद था। एक बार उन्होंने मुझसे कहा था "अपने कार्यक्रमों में सभी को बुलाएं, तभी आनंद आता है। एक ही विचार के वक्ताओं के बीच एकालाप ही होता है, संवाद संभव नहीं।" उन्होंने मेरी किताब 'मीडिया नया दौर नयी चुनौतियां' का लोकार्पण एक भव्य समारोह में किया। जिसमें माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो .बीके कुठियाला, टीवी पत्रकार और संपादक रविकांत मित्तल भी उपस्थित थे। दिल्ली के अनेक मंचों पर मुझे उनका सान्निध्य मिला। उनका साथ एक ऐसी छाया रहा, जिससे वंचित होकर उसका अहसास अब बहुत गहरा हो गया है। वे हमारे जैसे तमाम युवाओं की जिंदगी में सपने जगाने वाले नायक थे। हम छोटे शहरों, गांवों से आए लोगों को वे बड़ा आसमान दिखाकर उड़ान के लिए छोड़ देते थे।

उन्होंने तमाम ऐसी प्रतिभाओं को खोजा, उन्हें संगठन में प्रवक्ता, संपादक , मंत्री, सांसद, विधायक और तमाम सांगठनिक पदों तक पहुंचने में मदद की। एक समय भाजपा के राष्ट्रीय सचिव के नाते वे बहुत ताकतवर थे। अध्यक्ष राजनाथ सिंह (अब रक्षा मंत्री) उन पर बहुत भरोसा करते थे। प्रभात जी ने इस समय का उपयोग युवाओं को जोड़ने में किया। मैं नाम गिनाकर न लेख को बोझिल बनाना चाहता हूं, न उन व्यक्तियों को धर्म संकट में डालना चाहता हूं, जो आज बहुत बड़े हो चुके हैं। भाजपा का आज स्वर्ण युग है, संसाधन, कार्यकर्ता आधार बहुत विस्तृत हो गया है। किंतु प्रभात जी बीजेपी के 'ओल्ड स्कूल' में ही बने रहे। जहां पार्टी परिवार की तरह चलती थी और व्यक्ति से व्यक्तिगत संपर्क को महत्व दिया जाता था। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ ही नहीं देश के अनेक राज्यों के कार्यकर्ता, पत्रकार,समाज के विविध क्षेत्रों में सक्रिय लोग उनसे बेहिचक मिलते थे। इस सबके बीच उन्होंने अपने स्वास्थ्य का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा। मैंने उन्हें दीनदयाल परिसर के एक छोटे कक्ष में रहते देखा है। परिवार ग्वालियर में ,खुद भोपाल में एकाकी जीवन जीते हुए। यहां भी दरवाजे सबके लिए हर समय खुले थे, जब अध्यक्ष बने तब भी। दिनचर्या पर उनका नियंत्रण नहीं था, क्योंकि पत्रकारिता में भी कोई दिनचर्या नहीं होती। मध्यप्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने जिस तरह तूफानी प्रवास किया, उसने कार्यकर्ताओं को भले खुश किया। राजपुत्रों को उनकी सक्रियता अच्छी नहीं लगी। वे षड्यंत्र के शिकार तो हुए ही, अपना स्वास्थ्य और बिगाड़ बैठे। उनका पिंड 'पत्रकार' का था, किंतु वे 'जननेता' दिखना चाहते थे। इससे उन्होंने खुद का तो नुकसान किया ही, दल में भी विरोधी खड़े किये। बावजूद इसके वे मैदान छोड़कर भागने वालों में नहीं थे। डटे रहे और अखबारों में अपनी टिप्पणियों से रौशनी बिखेरते रहे। आज जब परिवार जैसी पार्टी को कंपनी की तरह चलाने की कोशिशें हो रही हैं, तब प्रभात झा जैसे व्यक्ति की याद बहुत स्वाभाविक और मार्मिक हो उठती है।

आज जयंती पर उनकी पावन स्मृति को शत-शत नमन। भावभीनी श्रद्धांजलि।

खास खबर

5 से 23 जून तक भाजपा भिलाई के कार्यक्रम, जिला कार्यालय में तैयारी को लेकर हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिला प्रभारी रामजी भारती और जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन की मौजूदगी में बनी रणनीति, नेता कन्हैया सोनी भी रहे शामिल

भाजपा भिलाई संगठन जिला की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को जिला कार्यालय में आयोजित की गई। राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर 5 जून से 23 जून तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों और आयोजनों को लेकर तैयारियों पर चर्चा हुई। बैठक में जिला प्रभारी रामजी भारती, जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन और जिले के वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। भाजपा नेता कन्हैया सोनी भी बैठक में शामिल हुए।

कार्यकर्ताओं से सक्रिय सहभागिता का आह्वान

बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। संगठनात्मक गतिविधियों और जनसंपर्क अभियानों को सफलतापूर्वक संचालित करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। नेताओं ने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की रीति नीति और केंद्र व राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रमों को जमीनी स्तर पर सफल बनाने के लिए सक्रिय सहभागिता निभाने पर जोर दिया गया। बैठक में जिले के मंडल अध्यक्ष, मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नव-निर्वाचित पंच के निवास पहुँचकर दी बधाई और शुभकामनाएं

राजनांदगांव। ग्राम पंचायत सोमनी के वार्ड क्रमांक 20 की नव-निर्वाचित पंच श्रीमती दिलाशा बाई साहू के निवास पहुँचकर ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती नीलिमा शिवा साहू एवं पंच श्रीमती भारती टंडन, गोविंद साहू तथा जितेंद्र बंजारे ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं मुँह मीठा कराकर उन्हें निर्वाचन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने श्रीमती दिलाशा बाई साहू के सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की कामना करते हुए ग्राम विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का विश्वास व्यक्त किया। बड़ी संख्या में ग्रामवासी भी शामिल हुए और सभी ने नव-निर्वाचित पंच को शुभकामनाएँ प्रदान कीं। सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न इस कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने ग्राम पंचायत के विकास एवं जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कंडम वाहनों के नीलामी की कार्रवाई की जा रही

राजनांदगांव। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में वर्षों से संचालित 108 संजीवनी एक्सप्रेस एवं 102 महतारी एक्सप्रेस सेवाओं के पुराने और अनुपयोगी वाहनों को कंडम घोषित करने की कार्रवाई की जा रही है। ये वाहन वर्ष 2011 एवं 2013 मॉडल के हैं तथा 4 लाख से 6 लाख किलोमीटर तक चल चुके हैं, जिसके कारण इनकी स्थिति अत्यधिक जर्जर हो गई है। उन्होंने बताया कि वाहनों के रखरखाव एवं मरम्मत पर अत्यधिक व्यय आने तथा तकनीकी रूप से उपयोग योग्य नहीं रहने के कारण इन्हें संचालित करना संभव नहीं है। इसी को देखते हुए शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कंडम घोषित करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। कंडम समिति एवं लोक निर्माण विभाग के अनुविभागीय अधिकारी द्वारा निरीक्षण उपरांत संबंधित वाहनों को कंडम घोषित किया जा चुका है। साथ ही इन वाहनों के पंजीयन कोड-02 को निरस्त करने की कार्रवाई भी पूर्ण कर ली गई है। सभी कार्रवाई पूर्ण होने पर शासन से अनुमति पश्चात एमएसटीसीई से नीलामी की कार्रवाई की जाएगी। जिले के अंतर्गत 12 नग महतारी एक्सप्रेस 102, 7 नग संजीवनी एक्सप्रेस 108 एवं 4 नग शासकीय वाहन अधिनस्थ है।

बीएसपी लोहा चोरी कांड : मास्टरमाइंड संजय अब भी फरार, आरोपी पर इनाम की तैयारी

सात दिन में सिर्फ आठ गिरफ्तार, पुलिस जांच हाई प्रोफाइल लोगों के इर्द गिर्द

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र से 250 टन लोहा चोरी का मामला हाई प्रोफाइल होता जा रहा है। सात दिन बीतने के बाद भी पुलिस मास्टरमाइंड तक नहीं पहुंच पाई है। खुर्सीपार पोस्ट ऑफिस के पास रहने वाला संजय सिंह अब भी फरार है। पुलिस अब उस पर इनाम घोषित करने की तैयारी में है। इस मामले में अब तक सिर्फ आठ आरोपी पकड़े गए हैं, जबकि कई बड़े नाम अभी भी पुलिस की पहुंच से बाहर हैं।

श्रमिक से बना करोड़ों की चोरी का सरगना

पुलिस सूत्रों के मुताबिक संजय सिंह पहले बीएसपी में ठेकेदारी में श्रमिक का काम करता था। धीरे धीरे सेटिंग कर खुद ठेकेदार बन गया। आरोप है कि इसी दौरान उसने प्लांट से लोहा पार कराकर करोड़ों का नुकसान पहुंचाया। चोरी का खुलासा होते ही संजय सिंह को साजिश के तहत भगाने का आरोप है। पुलिस को शक है कि लोहा के अवैध कारोबार से जुड़े नामचीन लोग उसे बचा रहे हैं।

एके ट्रेडर्स के इर्द गिर्द घूम रही जांच

जांच अब अकलोरडीह हथखोज के एके ट्रेडर्स के गोदाम पर केंद्रित है। इसका संचालन सलीम करता था जो अभी फरार है। पुलिस को सूचना मिली थी कि यहीं से लोहा का बड़ा अवैध कारोबार चल रहा था। संजय सिंह के 10 बैंक खाते और 19 चेक जांच में मिले हैं। एक खाते में लाखों के ट्रांसफर की जानकारी भी सामने आई है।

पीएमओ तक पहुंचा मामला

सूत्रों का कहना है कि इस पूरे मामले में कई बड़े उद्योगपतियों और राजनीतिक व्यक्तियों की संलिप्तता की बात सामने आई है। पीएमओ में उच्च स्तर पर शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। इसके बावजूद अब तक ठेका एजेंसी के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। बीएसपी प्रबंधन भी चुप्पी साधे हुए है।

बीएसपी और सीआईएसएफ पर उठे सवाल

प्लांट में सीसीटीवी लगे होने के बाद भी मेन गेट से फ्लो डस्ट के भीतर लोहे का स्क्रैप आसानी से पार हो गया। संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त निगरानी नहीं थी। निर्धारित प्रक्रिया का पालन न करने वाले वाहनों पर कार्रवाई भी नहीं हुई। कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका संदेह के घेरे में है। बीएसपी प्रबंधन और सीआईएसएफ को नोटिस जारी किया गया है।

फर्जी नंबर प्लेट, जीपीएस निकालकर निकलती थीं गाड़ियां

जांच में खुलासा हुआ कि एसएमएस-3 क्षेत्र के पास संदिग्ध वाहनों को खड़ा कर उनके जीपीएस उपकरण निकाल दिए जाते थे। फिर वाहनों में लोहा स्क्रैप लोड कर वे ब्रिज से गुजरे बिना वैकल्पिक मार्गो से बाहर भेजा जाता था। पुलिस ने जो गाड़ियां जब्त कीं उनमें फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। सवाल यह है कि बीएसपी के अंदर बिना नंबर और फर्जी प्लेट की गाड़ियां कैसे चल रही थीं। ओवरलोड गाड़ियां भी आसानी से निकल जाती थीं।

एएसपी बोले : बयान दर्ज किए जा रहे

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर ने बताया कि लोहा चोरी के मामले में अब तक आठ को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य मास्टरमाइंड की खोज जारी है। बीएसपी और सीआईएसएफ को नोटिस जारी कर इससे जुड़े लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

एसएसपी विजय अग्रवाल ने कहा कि बीएसपी से कुछ जानकारी मिली है, लेकिन पूरी नहीं। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम जुटी है।

सोमनी पुलिस की त्वरित कार्रवाई : नाबालिग से दुष्कर्म कर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोपी गिरफ्तार

पीएनआर ढाबा संचालक रंजीत सिंग को न्यायालय में पेश किया, पाक्सो एक्ट समेत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना सोमनी पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म और आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

मां की शिकायत पर दर्ज हुआ मामला

प्रार्थीया ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी नाबालिग पुत्री 2-3 महीने पहले कॉल सेंटर में काम करने टेडेसरा आई थी। शुरुआत में वह टेडेसरा स्थित रंजीत सिंग के ढाबे में रहती थी। करीब 15 दिन पहले वह किराए के मकान में रहने लगी थी। पीड़िता ने बताया था कि रंजीत सिंग उसके साथ मारपीट करता था और जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाता था। घर जाने की बात कहने पर उसे कमरे में बंद कर देता था। इसी प्रताड़ना के कारण पीड़िता ने आत्महत्या कर ली।

पाक्सो एक्ट में केस दर्ज

शिकायत पर थाना सोमनी में आरोपी रंजीत सिंग के खिलाफ धारा 64, 127(2), 108 बीएनएस और धारा 3, 4 पाक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में कार्रवाई

मामला नाबालिग से जुड़ा होने के कारण पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन, नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेंण्डर के पर्यवेक्षण और थाना प्रभारी निरीक्षक दिलीप पटेल के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

टीम ने आरोपी रंजीत सिंग पिता शीतल सिंग उम्र 22 साल निवासी ग्राम सौन्दर थाना डुग्गीपार जिला गोंदिया महाराष्ट्र, हाल पता पीएनआर ढाबा अरोरा फ्यूल्स टेडेसरा को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने जुर्म स्वीकार किया। उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

टीम का सराहनीय योगदान

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक दिलीप पटेल, उप निरीक्षक बलदाऊ चंद्राकर, सहायक उप निरीक्षक चैतुराम आर्य, प्रधान आरक्षक दुलेश्वर साहू, आरक्षक दिनेश वर्मा, मनोज हरमुख और थाना सोमनी के पूरे स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सेव ए लाइफ : जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में नागरिकों को दिया हैंड्स-ओनली सीपीसीआर प्रशिक्षण

कार्डियक अरेस्ट में जान बचाने के गुर सिखाए, बच्चों से बुजुर्गों तक ने किया अभ्यास

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र में मंगलवार को ह्यसेव ए लाइफह्न पहल के तहत ह्यहैंड्स-ओनली सीपीसीआरह्न प्रशिक्षण कायर्शाला आयोजित की गई। ओपीडी परिसर में हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने हिस्सा लिया और जीवन रक्षक तकनीक का अभ्यास किया।

आपातकाल में तत्काल मदद की क्षमता विकसित करना उद्देश्य

कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को कार्डियक अरेस्ट जैसी आपात स्थिति में चिकित्सकीय सहायता पहुंचने से पहले तत्काल सहायता देने के कौशल से परिचित कराना था। प्रशिक्षण में सही तरीके से चेस्ट कंप्रेशन देने, आपातकालीन प्रतिक्रिया और प्रारंभिक जीवन रक्षक उपायों की जानकारी दी गई।

यह पहल मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर और डॉ. उदय कुमार के मार्गदर्शन में संचालित हो रही है। कायर्शाला का संचालन एनेस्थीसियोलॉजी विभाग की डॉ. तनुजा आनंद और डॉ. जयिता सरकार ने किया। उन्होंने सीपीसीआर की पूरी प्रक्रिया का प्रदर्शन कर प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

'सही समय पर सीपीसीआर से बच सकती है जान'

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार ने कहा कि कार्डियक आपातकाल में आसपास मौजूद व्यक्ति ही सबसे पहले मदद कर सकता है। सही समय पर और सही तरीके से दिया गया सीपीसीआर किसी का जीवन बचा सकता है। उन्होंने नागरिकों से ऐसे प्रशिक्षणों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

सभी आयु वर्ग ने किया अभ्यास

कायर्शाला में बच्चों, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साह से भाग लिया। सभी ने मेडिकल मैनिक्विन पर सीपीसीआर का अभ्यास किया। प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से सवाल पूछकर जिज्ञासाएं भी दूर कीं। एनेस्थीसियोलॉजी टीम ने सीपीसीआर का लाइव प्रदर्शन कर आपात स्थिति में अपनाई जाने वाली सावधानियों और त्वरित प्रतिक्रिया का महत्व समझाया।

ब्राह्मण गौरव दिवस : अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण दिवस को राष्ट्रीय मान्यता देने की मांग

आर्य नगर राधा वल्लभ मंदिर में भजन-पूजन, चाणक्य जयंती भी मनाई गई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज दुर्ग द्वारा आर्य नगर स्थित राधा वल्लभ मंदिर परिसर में ब्राह्मण गौरव दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान भगवान परशुराम एवं आचार्य चाणक्य की पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम में ब्राह्मण एकता और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

राष्ट्रीय मान्यता की मांग

राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत तिवारी एवं सलाहकार डॉ. विश्वनाथ पाणिग्राही ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार से 1 जून को अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण दिवस के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने की मांग की। वक्ताओं ने बताया कि आज का दिन आचार्य चाणक्य के जन्म दिन के रूप में भी मनाया जाता है।

एकता पर दिया बल

कार्यक्रम को महिला मंच प्रदेश उपाध्यक्ष नविता शर्मा, शहर अध्यक्ष हेमंत तिवारी, जिला अध्यक्ष महिला मंच प्रीति बेहरा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रत्ना नारम देव और राकेश दुबे ने भी संबोधित किया। नविता शर्मा और रत्ना नारम देव ने ब्राह्मण समाज की एकता और संगठन को मजबूत बनाए रखने का आह्वान किया।

आयोजन में चंदा देवी शर्मा, काजल मिश्रा, किरण शर्मा, कांता जोशी, ज्योति शर्मा, वीना ब्यास, पायल शर्मा, मुक्ता शर्मा, निधि ब्यास, राधा शर्मा, मंजू शर्मा सहित आर्यनगर की महिलाएं और धर्म प्रेमी बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

सोमनी में जिला स्तरीय रोजगार मेला 10 को

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 10 जून को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय सोमनी राजनांदगांव परिसर में किया जाएगा। रोजगार मेला में शामिल होने वाले इच्छुक आवेदकों को ई-रोजगार पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करना अनिवार्य है। इसके साथ ही आवेदकों को रोजगार मेला में निर्धारित तिथि, समय एवं स्थल पर अपने शैक्षणिक योग्यता के सम्पूर्ण प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, 2 पासपोर्ट साईज फोटो के साथ उपस्थित होना होगा।

उप संचालक रोजगार ने बताया कि जिला स्तरीय रोजगार मेला में विभिन्न नियोजक व कंपनियों द्वारा लगभग 954 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके अंतर्गत अशरव फाउण्डेशन व अशरव सिक्यूरिटी एण्ड एच आर सर्विस प्राईवेट लिमिटेड द्वारा एचआर एक्सीक्यूटिव के 5 पद, नर्सिंग असिस्टेंट के 100 पद, बेबी सीटर के 10 पद (केवल महिला), हाऊस कीपिंग स्टॉफ के 200 पद, एकाउंट एक्सीक्यूटिव के 5 पद, सिक्यूरिटी गार्ड के 150 पद (केवल पुरूष) एवं सिक्यूरिटी सुपरवाईजर के 25 पद (केवल पुरूष), पीएसआर लाईफ सॉलूशन द्वारा इन्श्योरेंन्स एडवाईजर के 50 पद, एनवीके आईटी सॉलूशन एण्ड सिक्यूरिटी प्राईवेट लिमिटेड द्वारा मशीन ऑपरेशन के 50 पद एवं हेल्पर के 200 पद, वेदांता स्किल स्कूल लर्नर्नेट स्किल लिमिटेड द्वारा होटल मैनेजमेंट के 30 पद शामिल हैं।

ओपन रिलेशनशिप में हैं शहाना गोस्वामी

बोलीं- मेरी जिंदगी में कई पार्टनर हैं, लेकिन ये रिश्ते कैजुअल नहीं हैं

एक्ट्रेस शहाना गोस्वामी ने इंटरव्यू में शहाना ने कहा, 'फिलहाल मेरी जिंदगी में ऐसा कोई एक खास पार्टनर नहीं है। मेरी जिंदगी में कई लोग हैं, जिनसे मेरा लंबे समय से जुड़ाव है, लेकिन ये रिश्ते कैजुअल नहीं हैं। मेरे लिए कोई भी रिश्ता हल्का या टाइमपास नहीं होता।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे लिए ओपननेस का मतलब यह है कि किसी एक इंसान के साथ तय रिश्ता जरूरी नहीं है, लेकिन लोगों के साथ जुड़ाव और अपनापन बना रहता है। कभी वह सिर्फ दोस्ती होती है, कभी रिश्ता थोड़ा और गहरा भी हो सकता है। हर चीज को किसी एक नाम या दिशा में बांधना जरूरी नहीं है। सबसे जरूरी चीज प्यार और दोस्ती है। मेरे लिए दोस्त वही है, जिसके लिए दिल में सच्चा अपनापन हो।'

ओपन रिलेशनशिप में घोस्टिंग से इनकार किया

शहाना गोस्वामी से जब ओपन रिलेशनशिप में घोस्टिंग यानी अचानक रिश्ता खत्म कर देने को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'असल में ऐसा नहीं होता। मैं लोगों को इग्नोर नहीं करती। इस तरह की जिंदगी अचानक नहीं मिलती। यहां तक पहुंचने के लिए इंसान को खुद पर बहुत काम करना पड़ता है। बाहर से यह आसान लगता है, लेकिन अपने अंदर की जलन और असुरक्षाओं का सामना करना पड़ता है।' उन्होंने कहा, 'मैं उन लोगों से अलग हूं, जिनसे वे पहले मिले हैं। मेरी वजह से कई लोगों की असुरक्षाएं बाहर आ जाती हैं। मैं जानबूझकर ऐसा नहीं करती, लेकिन मेरी आजादी लोगों को खुद के बारे में सोचने पर मजबूर करती है और हर कोई इसके लिए तैयार नहीं होता।'

शहाना ने कहा कि कम उम्र में ही उन्हें ओपन रिलेशनशिप के बारे में समझ आ गई थी। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे हमेशा लगा कि प्यार आजाद होना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि रिश्ता किसी इंसान को बांध दे या उसकी जिंदगी सीमित कर दे। इसी सोच ने मेरे रिश्तों और उन्हें निभाने के तरीके को तय किया है।' उन्होंने बताया कि उनके कई ओपन रिलेशनशिप पार्टनर्स एक-दूसरे से मिल चुके हैं। उनके मुताबिक, ऐसे रिश्ते तभी चल पाते हैं, जब उनमें ईमानदारी और खुलकर बातचीत हो। शहाना ने यह भी कहा कि लोग अक्सर यह सोच लेते हैं कि उनकी जिंदगी आसान है या उन्हें कभी मुश्किल भावनाओं का सामना नहीं करना पड़ा। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। उनके मुताबिक, आजादी का मतलब मुश्किलों से भागना नहीं होता। असली आजादी तब आती है, जब इंसान अपनी परेशानियों, डर और भावनाओं का सामना करता है और उनसे भागता नहीं। शहाना का कहना है कि बाहर से देखने वाले लोग अक्सर इसी बात को समझ नहीं पाते।

'ब्राउन' को लेकर करिश्मा कपूर का खुलासा, ठुकराया था रीटा ब्राउन का रोल

करिश्मा कपूर वेब सीरीज 'ब्राउन' में रीटा ब्राउन के किरदार में नजर आने वाली हैं। 5 जून को ओटीटी पर रिलीज होने वाली इस सीरीज को लेकर करिश्मा ने हाल ही में कई खुलासे किए हैं। पहले करिश्मा ने इस रोल के लिए मना कर दिया था, लेकिन अब वह रीटा ब्राउन बनकर ओटीटी पर तलहका मचाने के लिए तैयार हैं।

क्यों किया था सीरीज के लिए मना?

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर जल्द ही एक नई सस्पेंस थ्रिलर सीरीज 'ब्राउन' में नजर आने वाली हैं। यह सीरीज 5 जून को रिलीज होगी। हाल ही में इसका ट्रेलर सामने आया था। एएनआई से बातचीत के दौरान करिश्मा ने बताया कि जब शुरुआत में उन्हें यह रोल मिला, तो उन्होंने मना कर दिया था। दरअसल, करिश्मा ने सोचा था कि वह इतने दिनों के लिए कोलकाता जाकर 'ब्राउन' की शूटिंग कैसे करेंगी। लेकिन जब वह डायरेक्टर अभिनय देव से मिलीं और अपने किरदार को गहराई से समझा, तो उन्होंने तुरंत हां कह दिया।

रीटा ब्राउन के रोल में नजर आएंगी करिश्मा

करिश्मा कपूर अपनी नई वेब सीरीज 'ब्राउन' में रीटा ब्राउन के किरदार में नजर आएंगी। करिश्मा इस शो में एक पुलिस अफसर का रोल कर रही हैं, जो शराब की आदी है और अपने पुराने दुखों से जूझ रही है। करिश्मा के मुताबिक, उनका किरदार अंदर से टूटा हुआ है, लेकिन बाहर से बेहद मजबूत है। करिश्मा ने कहा, 'दर्शकों को इसमें कुछ नया देखने को मिलेगा।' अपने करियर पर बात करते हुए करिश्मा कपूर ने कहा कि उन्होंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। अब वह बहुत ज्यादा काम नहीं करना चाहतीं। वह सिर्फ वही प्रोजेक्ट्स चुनती हैं, जो सीधे उनके दिल को छूते हैं।

डायरेक्टर अभिनय देव ने बताया कि 'ब्राउन' एक साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर है। इसकी कहानी कोलकाता शहर पर आधारित है। यह इंसानी भावनाओं, उनके डर, संघर्ष और कमियों को दिखाती है, जिससे आम लोग खुद को जोड़ पाएंगे। इस सीरीज को जी स्टूडियोज ने प्रोड्यूस किया है।

यूके की गलियों में शूटिंग कर रहे अहान पांडे

पिछले साल आई सफल फिल्म 'सैयारा' ने अहान पांडे को रातोंरात स्टार बना दिया। अब अहान अली अब्बास जफर के साथ अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभी तक फिल्म का टाइटल सामने नहीं आया है। अब फिल्म की शूटिंग के दौरान का एक वीडियो सामने आया है। इसने फिल्म को लेकर फैंस में उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो कथित तौर पर फिल्म के यूके शूटिंग शेड्यूल का है। इसमें अहान पांडे के साथ फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ नजर आ रही हैं। फिल्म की 27 दिनों की शूटिंग इस साल की शुरुआत में मुंबई के वाईआरएफ स्टूडियो में पूरी हुई थी। इसके बाद टीम एक लंबे इंटरनेशनल शूट के लिए विदेश रवाना हुई, जिसके लगभग दो महीने तक चलने की उम्मीद है।

इमरान खान के साथ काम करना सपना सच होने जैसा

सलमान खान के भांजे व अभिनेता इमरान खान अपनी आगामी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म से इमरान बतौर लीड एक्टर एक लंबे अरसे बाद वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म को लेकर फैंस तो उत्साहित हैं ही, लेकिन फैंस से भी ज्यादा उत्साहित खुद भूमि पेडनेकर हैं। यही नहीं भूमि ने इमरान खान को लेकर भी बात की और बताया कि उन्हें इमरान पर जबरदस्त क्रश था। हालिया बातचीत में भूमि पेडनेकर ने इमरान खान पर अपने क्रश के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बचपन से ही मुझे उन पर बहुत बड़ा क्रश था। उनकी सभी रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों में वो सबसे बेहतरीन लगते थे। आजकल ऐसी रोमांटिक कॉमेडी फिल्में बनती ही नहीं हैं। भूमि के लिए इमरान के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा था। अभिनेत्री अक्सर इमरान के काम की फैन होने की बात कहती रही हैं।

15 साल बाद लीड एक्टर के तौर पर वापसी करेंगे इमरान

इमरान खान ने साल 2008 में आई फिल्म 'जाने तू या जाने ना' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो कई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्मों में नजर आए। इमरान खान आखिरी बार साल 2015 में फिल्म 'कट्टी बट्टी' में लीड एक्टर के तौर पर नजर आए थे।

सच को ढूंढने निकले अली फजल, सोनाली बेंद्रे स्टारर 'राख' की रिलीज डेट आई सामने

अली फजल और सोनाली बेंद्रे स्टारर आगामी इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर सीरीज 'राख' की रिलीज डेट अब सामने आ गई है। घोषणा के बाद से ही फैंस इस सीरीज के बारे में हर अपडेट जानने का इंतजार कर रहे थे। अब अंततः मेकर्स ने आज सीरीज की रिलीज डेट जारी कर दी है।

12 जून से स्ट्रीम करेगी 'राख'

मेकर्स की ओर से सोशल मीडिया पर सीरीज से अली फजल का एक पोस्टर साझा किया गया है। इसके साथ ही मेकर्स ने रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। पोस्टर में अली फजल पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे हैं। उनके सामने एक लाश जैसी पड़ी मालूम हो रही। अली काफी इंटेंस और परेशान नजर आ रहे हैं। इसके साथ कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'दबे हुए सच हमेशा अपना रास्ता खोज ही लेते हैं।' 'राख' 12 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करेगी।

'राख' एक इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा सीरीज है, जो अपराधी की मानसिकता और आम जिंदगी के पीछे छिपे डार्कनेस को दिखाती है। जब दो लड़के अचानक गायब हो जाते हैं, तो एक खुशहाल परिवार टूट जाता है और पूरा शहर दहशत में आ जाता है। सच्चाई तक पहुंचने के लिए एक इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर देशभर में तलाश अभियान शुरू करता है। जैसे-जैसे वह मामले की गहराई में जाता है, यह केस उसे हिंसा और इंसानी क्रूरता की एक भयावह दुनिया में खींच लेता है। कहानी आगे बढ़ने के साथ-साथ और भी इंटेस होती जाती है।

प्रोसित रॉय ने किया है निर्देशन

प्रोसित रॉय द्वारा निर्देशित 'राख' को अनुशा नंदकुमार और संदीप साकेत ने बनाया, लिखा और सह-निर्देशित किया है। सीरीज के डायलॉग आयुष त्रिवेदी ने लिखे हैं। सीरीज मे सोनाली बेंद्रे, अली फजल और आमिर बशीर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'जन नायकन' पर बॉबी देओल ने किया खुलासा

बताया कब रिलीज हो सकती है फिल्म

इस साल जनवरी में रिलीज होने जा रही फिल्म 'जन नायकन' कई विवादों के बाद रिलीज नहीं हो पाई। फिल्म के लीड एक्टर थलापति विजय अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। उनके फैंस अब उम्मीद लगाए बैठे हैं कि जल्द ही यह फिल्म रिलीज हो जाए। इसी बीच फिल्म में विलेन का रोल करने वाले बॉबी देओल ने अमर उजाला को दिए इंटरव्यू में बताया कि यह फिल्म कब रिलीज होने जा रही है।

लीक होने का बहुत दुख हुआ

अमर उजाला को दिए इंटरव्यू में बॉबी ने बताया कि फिल्म 'जन नायकन' कब रिलीज होगी? बॉबी ने कहा, 'यह फिल्म चुनाव से पहले विजय की आखिरी फिल्म होने वाली थी, लेकिन समझ नहीं आया कि कैसे इसकी रिलीज में देरी हो गई? फिर यह लीक भी हो गई, जिसका हम सभी को बहुत दुख हुआ। अब तो यह फिल्म कब रिलीज होगी इसकी कोई जानकारी मुझे अब तक मिली नहीं है। हो सकता है कि यह अगले महीने विजय के जन्मदिन पर रिलीज हो जाए।'

विजय जो चाहते थे हासिल किया

वहीं जब बॉबी से पूछा गया कि सेट पर विजय के साथ उनकी बॉन्डिंग कैसी थी? तो एक्टर ने कहा, 'मैं उनको इतनी अच्छी तरह से जानता नहीं। सेट पर बहुत कम बात होती थी। वो बहुत चप रहते हैं पर मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने वो हासिल किया, जो वो चाह रहे थे। जिस तरह वो चुनाव में जीते हैं, यह अपने आपमें बहुत बड़ी उपलब्धि है।'

कब है थलापति का जन्मदिन?

थलापित विजय इस साल 22 जून को अपना 52वां जन्मदिन मनाने वाले हैं। ऐसी खबरें हैं कि यह फिल्म उनके जन्मदिन से कुछ दिन पहले 19 जून को रिलीज हो सकती है, पर इस बारे में अब तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। अब बॉबी का यह बयान फिल्म के रिलीज होने की खबर पुख्ता करता है।

क्या है 'जन नायकन' विवाद?

एच विनोथ द्वारा निर्देशित 'जन नायकन' को अभिनेता विजय की आखिरी फिल्म बताया जा रहा है। यह फिल्म 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन सीबीएफसी से समय पर सर्टिफिकेट न मिलने के कारण इसे टाल दिया गया। फिल्म की रिलीज के समय सेंसर बोर्ड ने अचानक इसे हरी झंडी देने से

इनकार कर दिया। सेंसर पैनल के अधिकांश सदस्य इसे '.' सर्टिफिकेट देने के पक्ष में थे, लेकिन बोर्ड के एक सदस्य ने फिल्म में कथित रूप से धार्मिक सौहार्द्र बिगड़ने और भारतीय सेना के गलत चित्रण को लेकर आपत्ति जताई, जिससे फिल्म की रिलीज रोक दी गई।

कोर्ट तक पहुंचा मामला

सेंसर सर्टिफिकेट में देरी को लेकर फिल्म के निर्माताओं ने मद्रास हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। विवाद काफी लंबा खिंच गया, जिसके कारण 9 जनवरी को रिलीज होने वाली फिल्म अब पांच महीने बीत जाने के बाद भी अटकी हुई है। 'जन नायकन' में थलापति विजय के अलावा पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, मामिता बैजू और प्रकाश राज भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

5 जून को रिलीज होगी 'बंदर'

बॉबी देओल जल्द ही अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म 'बंदर' में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी 'समर' नाम के एक ऐसे पॉप स्टार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका करियर खत्म हो चुका है। वह अपनी पुरानी लोकप्रियता को वापस पाने के लिए बेताब है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब एक महिला उस पर रेप का आरोप लगाती है। अब कौन सच बोल रहा है और क्या झूठ है, ये फिल्म देखने पर पता चलेगा। 'बंदर' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, सपना पब्बी और सबा आजाद भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

माहेश्वरी युवा संगठन की नई टीम ने ली शपथ, आरंभ के साथ समाज उत्थान का संकल्प

नीरज चांडक बने प्रदेश अध्यक्ष, बेमेतरा में हुआ भव्य शपथ ग्रहण समारोह

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

छत्तीसगढ़ माहेश्वरी युवा संगठन की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को बेमेतरा में भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम को ह्यआरंभह्न नाम देकर नई टीम ने आने वाले वर्षों में सामाजिक उत्थान और जिम्मेदारियों के निर्वहन का संकल्प लिया।

समारोह में नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष नीरज चांडक, महासचिव करण बूब, संगठन मंत्री धीरज भट्टड़ और पूरी कार्यकारिणी ने भगवान महेश को साक्षी मानकर शपथ ली। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष ज्योति राठी रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष सुरेश मूंदड़ा और प्रांतीय महिला अध्यक्ष रूपा मूंदड़ा मौजूद रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवतर्मान प्रदेश अध्यक्ष नरेश चांडक ने की। प्रदेश भर से सैकड़ों युवा, बेमेतरा माहेश्वरी सभा, महिला संगठन और युवा संगठन के पदाधिकारी शामिल हुए।

नाट्य मंचन से दी महेश नवमी की जानकारी

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान महेश की पूजा-अर्चना और वंदना से हुई। इस दौरान महेश नवमी पर्व मनाने के पीछे की कथा को नाट्य रूप में प्रस्तुत किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प पर आधारित एक लघु संदेश नाट्य भी दिखाया गया।

पहली बैठक में तय हुआ एजेंडा

शपथ ग्रहण के बाद प्रांतीय युवा संगठन की पहली बैठक हुई। इसमें खेल आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, धार्मिक यात्रा, गौ सेवा और शिक्षा जैसे विषयों पर चर्चा हुई। बच्चों की रुचि के अनुसार करियर काउंसलिंग कराने पर भी सहमति बनी। महेश नवमी पर्व को भव्य बनाने के लिए एनू टावरी को संयोजक और मीनल गिलड़ा को सह संयोजक बनाया गया।

दो नए पदों का गठन

संगठन में दो नए पद बनाए गए। प्रांतीय गौ सेवा संरक्षक की जिम्मेदारी लोकेश राठी सुकमा को और प्रांतीय मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता का दायित्व राहुल भूतड़ा करहीभदर को सौंपा गया।

समारोह में संस्थापक अध्यक्ष पुरुषोत्तम टावरी, पूर्व अध्यक्ष राम रतन मूंदड़ा, पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, देवरतन तापड़िया, पवन डागा, सुनील माहेश्वरी, रमेश भट्टड़, रमेश केला, विजय केला, चेरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष अजय राठी, पूर्व राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री राजेश मंत्री और राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य सतीश चंडाक समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे।

खास खबर

अवैध प्लाटिंग की खबरें छापने पर पत्रकार ने मांगी पुलिस सुरक्षा

खैरागढ़ जिला पत्रकार संघ के संरक्षक चैतेन्द्र तिवारी ने एसपी को दिया आवेदन, कहा: अप्रिय घटना की आशंका

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

नगर में शासकीय और नजूल भूमि पर कथित अवैध प्लाटिंग का मामला उजागर कर रहे वरिष्ठ पत्रकार और जिला पत्रकार संघ के संरक्षक चैतेन्द्र तिवारी ने पुलिस सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक लक्ष्य शर्मा को आवेदन सौंपकर सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई है।

कई महीनों से कर रहे हैं खबरों का प्रकाशन : आवेदन में चैतेन्द्र तिवारी ने बताया कि वे पिछले कई महीनों से खैरागढ़ नगर स्थित शासकीय भूमि, नजूल भूमि, एडवर्ड चिल्ड्रन पार्क तथा खसरा क्रमांक 167, 169 और 170 से संबंधित कथित अवैध प्लाटिंग, रजिस्ट्री, नामांतरण और निर्माण कार्यों के संबंध में लगातार समाचार प्रकाशित कर रहे हैं। इसकी शिकायत सक्षम अधिकारियों और शासन स्तर पर भी की है।

प्रभावशाली लोगों की नाराजगी का जिक्र : तिवारी ने आवेदन में उल्लेख किया कि प्रकरण से जुड़े दस्तावेजों, जांच प्रतिवेदनों और प्रशासनिक अभिलेखों के आधार पर समाचार प्रकाशित किए जा रहे हैं। समाचार प्रकाशन और शिकायतों के कारण मामले से जुड़े कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और हितग्राहियों द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई है।

'निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए सुरक्षा जरूरी' : वरिष्ठ पत्रकार ने आशंका जताई कि वर्तमान परिस्थितियों में उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। किसी अप्रिय घटना से इंकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े इस गंभीर विषय को पत्रकारिता के दायित्वों के तहत लगातार सामने लाया जा रहा है। निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा संबंधी कदम उठाना जरूरी है।

उन्होंने एसपी लक्ष्य शर्मा से सुरक्षा का आकलन कर आवश्यकतानुसार पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही भविष्य में किसी प्रकार की धमकी, दबाव या शिकायत की स्थिति में तत्काल विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। आवेदन के साथ संबंधित शिकायतों की प्रतिलिपियां, प्रकाशित समाचारों की प्रतियां और अन्य दस्तावेज भी संलग्न किए गए हैं।

महिलाओं को मिला डिजिटल और वित्तीय प्रशिक्षण

मोहला। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में आकांक्षी विकासखंड अंबागढ़ चौकी के संगम सीएलएफ आतरगाँव में डिजिटल दीदी अभियान के अंतर्गत बिहान दीदी की दुकान संचालिकाओं के लिए एक दिवसीय कायर्शाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं को वित्तीय साक्षरता, डिजिटल भुगतान, दुकान प्रबंधन तथा साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक एवं सक्षम बनाना था।

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती भारती चंद्राकर के निर्देशन में आयोजित किया गया। कायर्शाला में सविता साहू (एबीएफ), खगेन्द्र कुमार (माइक्रोसेव कंसल्टेंसी एवं नीति आयोग के डेवलपमेंट पार्टनर), रोहित पाल (वित्तीय साक्षरता केंद्र), परदेशी उसरे (सीएफएल ब्लॉक काउंसलर) तथा एनआरएलएम टीम के सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रतिभागियों को वित्तीय साक्षरता, बचत की आदत विकसित करने, बजट प्रबंधन, व्यवसाय संचालन और दुकान प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई। इसके साथ ही यूपीआई, क्यूआर कोड आधारित भुगतान प्रणाली, डिजिटल लेन-देन की प्रक्रिया एवं क्यूआर कोड ऑनबोर्डिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा पर विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें बढ़ते साइबर अपराधों और ऑनलाइन ठगी के मामलों को देखते हुए विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड, उनसे बचाव के उपाय तथा शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। कायर्शाला में बड़ी संख्या में बिहान दीदी की दुकान संचालिकाओं ने सहभागिता की और डिजिटल एवं वित्तीय सेवाओं के अधिकाधिक उपयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। प्रतिभागियों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सशक्तिकरण और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

दिव्यांगजन अपनी क्षमताओं का उपयोग कर बनें सशक्त एवं आत्मनिर्भर : डॉ. रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष ने दिव्यांजन सहायक उपकरण वितरण समारोह में शिरकत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज स्पीकर हाऊस राजनांदगांव में एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसी), भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) जबलपुर एवं समाज कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दिव्यांजन सहायक उपकरण वितरण समारोह में शिरकत की। यह वक्त दिव्यांगजनों के खुशियों का साक्षी बना जब विधानसभा अध्यक्ष ने 252 दिव्यांगजनों को 73 लाख 53 हजार रूपए की लागत के 326 निःशुल्क सहायक उपकरण का वितरण किया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि राजनांदगांव, डोंगरगांव, छुरिया के दूररराज क्षेत्रों से दिव्यांगजन आए हैं। भारत सरकार की एडिप योजना, एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसी), भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) जबलपुर के सहयोग से 252 दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि 10 मार्च से 13 मार्च 2026 तक शिविर लगाकर दिव्यांजनों का चिन्हांकन किया गया था। कार्यक्रम में 113 मोट्राराइज्ड ट्रायसाईकिल, 69 ट्रायसाईकिल, 49 व्हील चेयर, 28 बैसाखी, 38 वाकिंग स्टिक, 2 स्मार्ट फोन, 5 सुगम्य केन, 12 टीएलएम किट, 2 सिलिकॉन कुशन, 8 सीपी चेयर का दिव्यांगजनों को निःशुल्क वितरण किया गया।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में राजनांदगांव पहला जिला है, जहां 40 प्रतिशत वाले दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्रदाय किया जा रहा है और सर्वाधिक उपकरण भी राजनांदगांव जिले के दिव्यांगजनों को प्रदाय किया जा रहा है। राजनांदगांव जिला प्रदेश का पहला जिला है, जहां 80 प्रतिशत से कम दिव्यांगता वाले 100 हितग्राहियों को भी मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल दी जा रही है। पहले यह सुविधा केवल 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वालों को मिलती थी।

सांसद संतोष पाण्डेय ने स्वामी विवेकानंद के उद्धरण नर सेवा ही नारायण सेवा है का स्मरण करते हुए कहा कि दूरदराज से आज यहां दिव्यांगजन आए हैं। उन्होंने एलिम्को एवं अन्य सभी सहयोगी संस्थानों को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, समाज कल्याण विभाग दिव्यांगजनों की चिंता करते है। जिले में शेष रह गए दिव्यांगजनों को आगामी शिविर में सहायक उपकरण प्राप्त होंगे। छत्तीसगढ़ में दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास एवं सशक्तिकरण के लिए संयुक्त क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) ठाकुरटोला स्थित है, जहां दिव्यांगजनों के लिए प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य किया जा रहा है। महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि सेवा कार्य के तहत आज 113 दिव्यांगजनों को निःशुल्क मोट्राइज्ड ट्रायसाईकिल दी गई है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों का चिन्हांकन करते हुए उनके लिए सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उनका ब्लू प्रिंट तैयार कर उनकी आवश्यकता के संबंध में जानकारी रखी जा रही है। आवश्यकतानुसार दिव्यांगजनों को सहयोग मिलेगा।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 12 हजार 673 दिव्यांगजन चिन्हांकित हैं। अब तक 11 हजार 726 दिव्यांगजनों का यूडीआईडी कार्ड बन गया है। यूडीआईडी कार्ड ही वह आधार है, जिससे शासन की सभी योजनाओं का लाभ सीधे दिव्यांगजनों को मिलता है। जिले में 5442 दिव्यांगजनों को मासिक पेंशन का लाभ दिया जा रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक संबल मिल रहा है। 137 दिव्यांगजनों को स्वरोजगार के लिए दिव्यांगजन वित्त विकास निगम के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया गया है। दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना अंतर्गत पिछले वर्ष 14 दिव्यांग दम्पत्तियों को 50 हजार रूपए की राशि दी गई, ताकि वे सम्मान के साथ गृहस्थ जीवन शुरू कर सकें। जिला स्तरीय कार्य योजना 2026-27 तैयार है और क्रियान्वयन शुरू हो चुका है। इस योजना का फोकस सिर्फ उपकरण देना नहीं, बल्कि शिक्षा, कौशल विकास और स्वरोजगार के माध्यम से दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना है। प्रदेश में राजनांदगांव जिले ने सीआरसी केन्द्र की वजह से पूरे राज्य में दिव्यांग पुनर्वास के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी को आगे ले जाते हुए अब जिला प्रशासन का प्रयास होगा कि राजनांदगांव जिले को सुगम्य भारत अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य बनाया जाये। पिछले 10 माह में हजार से अधिक सहायक उपकरण ट्राईसाइकिल, बैसाखी, श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर विभिन्न शिविरों और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से वितरित किए हैं। इसका सीधा लाभ यह हुआ कि वृद्ध और दिव्यांगजनों का जीवन सुगम और सम्मानजनक बना है। राजनांदगांव जिला प्रदेश का पहला जिला है जहां 80 प्रतिशत से कम दिव्यांगता वाले 100 हितग्राहियों को भी मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल दी जा रही है।

इस अवसर पर संतोष अग्रवाल, शिव वर्मा, गोलू सूर्यवंशी, वर्षा सिन्हा, राजेश श्यामकर, भावेश बैद, उत्तम साहू, पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शीतल बंसल, उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती वैशाली मरड़वार एवं अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी, बड़ी संख्या दिव्यांगजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दिलीप श्रीवास्तव ने किया।

खेत बचाओ पखवाड़ा में जैविक खाद बनेगा हथियार, किसान अशोक चौधरी ने बताई जीवामृत बनाने की आसान विधि

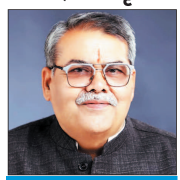

रासायनिक खाद से बंजर हो रहे खेतों को फिर उपजाऊ बनाएगा 20 दिन में तैयार होने वाला जीवामृत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

केंद्र सरकार के खेत बचाओ पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए अब किसान खुद आगे आ रहे हैं। प्रगतिशील किसान अशोक चौधरी का कहना है कि रासायनिक खाद से बर्बाद हो रही जमीन को बचाना है तो किसानों को जैविक खेती की ओर लौटना होगा। गोबर खाद की कमी के दौर में जीवामृत सबसे सस्ता और असरदार विकल्प है जो सिर्फ 20 दिन में तैयार हो जाता है।

किसान तत्पर नहीं हुए तो खेत नहीं बचेंगे

अशोक चौधरी ने कहा, कृषि मंत्री शिवराज चौहान जी खेत बचाओ पखवाड़ा चला रहे हैं। इसका मतलब है रासायनिक खाद से खराब हो चुके खेतों को फिर से उपजाऊ बनाना। जब तक किसान खुद आगे नहीं आएंगे, यह संभव नहीं। एक एकड़ में 6 से 8 टन गोबर खाद डालने पर खेत को यूरिया, पोटाश, सल्फर, सुपर फास्फेट और सूक्ष्म तत्व मिलते हैं। लेकिन आज गोपालन नहीं हो रहा, बैलों से खेती नहीं हो रही, तो गोबर कहां से आएगा? इसका हल है जीवामृत।

20 दिन में तैयार करें जीवामृत जैविक खाद: आसान विधि

सामग्री: 1. शुद्ध सरसों खली - 1 किलो, 2. बिना रसायन वाला काला गुड़ - 100 ग्राम - बैक्टीरिया बढ़ाता है। 3. दही या छाछ - 100 ग्राम - दुर्गंध खत्म करता है। 4. एक साल पुरानी सड़ी गोबर खाद - 100 ग्राम। 5. शुद्ध मिट्टी - 200 ग्राम - पीपल-बरगद के नीचे से लें जहां कभी रासायनिक खाद न पड़ी हो। 6. पिसी हल्दी - 2 चम्मच। 7. केले के छिलके - 3-4 नग, बारीक काटकर उबालें और पानी में मिलाएं। 8. लकड़ी की राख - 100 ग्राम। 9. पानी - 10 लीटर मिलाएं।

100 लीटर से एक एकड़ खेत तैयार

चौधरी के मुताबिक, जीवामृत फसल के सभी पोषक तत्वों की पूर्ति करता है। सब्जी, दलहन, तिलहन में स्प्रे से शानदार रिजल्ट मिलता है। कई उन्नत किसान इसे अपनाकर लाभ ले रहे हैं।

बनाने का तरीका

सभी सामग्री को 10 लीटर पानी में अच्छे से मिलाकर 7-8 दिन के लिए रख दें। रोज दिन में दो बार लकड़ी से घड़ी की दिशा में हिलाएं। 20 दिन में खाद तैयार।

इस्तेमाल कैसे करें:

सरसों खली गर्म होती है, इसलिए धूप में छिड़काव न करें। शाम को ठंडे पानी में 100 लीटर पानी मिलाकर एक एकड़ धान के खेत में छिड़कें। दलहन-तिलहन में स्प्रेयर से छिड़काव करें। अशोक चौधरी ने कहा, थोड़ी मेहनत से किसान अपना खेत बचा सकते हैं। यह कठिन नहीं है। केंद्र के खेत बचाओ अभियान में हर किसान की भूमिका अहम है।

वक्फ बोर्ड के आदेश की अवहेलना पर कड़ी कार्रवाई : खमरिया में डीजे जब्त, 50 हजार जुर्माना, अपराध दर्ज

उर्स में डीजे-बैंड पर प्रतिबंध के बावजूद बजाया धुमाल, चेयरमैन डॉ. सलीम राज खुद पहुंचे मौके पर

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज के निर्देश पर उर्स के दौरान डीजे, बैंड-बाजा, धुमाल और आतिशबाजी पर लगे प्रतिबंध की अवहेलना करने वालों पर पहली बड़ी कार्रवाई हुई है। थाना खमरिया क्षेत्र में उर्स के दौरान प्रतिबंधित डीजे बजाने पर पुलिस ने उपकरण जब्त कर 50 हजार का जुर्माना लगाया। विरोध करने पर आयोजन समिति के लोगों के खिलाफ थाने में एफआईआर भी दर्ज की गई है।

चेयरमैन खुद पहुंचे मौके पर

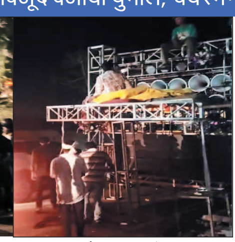

वक्फ बोर्ड ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि उर्स के कार्यक्रम कुरआन व हदीस की तालीमात और शरीयत के अनुसार ही आयोजित होंगे। गैर-शरई गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके लिए सभी आयोजन समितियों को पूर्व में आदेश का पालन करने के निर्देश दिए गए थे।

इसके बावजूद खमरिया में उर्स के दौरान डीजे-धुमाल बजाने की सूचना मिलते ही वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सलीम राज स्वयं मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल प्रशासनिक अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए।

डीजे जब्त, कमेटी पर FIR

निर्देश के बाद पुलिस ने मौके से डीजे उपकरण जब्त कर थाने पहुंचाए। आयोजन समिति पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। जब्ती की कार्रवाई का विरोध करने पर कमेटी के सदस्यों के खिलाफ थाना खमरिया में एफआईआर दर्ज की गई है।

शरीयत के मुताबिक ही होंगे आयोजन

वक्फ बोर्ड ने दोहराया कि धार्मिक आयोजन पूरी तरह कुरआन व हदीस की शिक्षाओं के अनुरूप संपन्न होने चाहिए। आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। यह वक्फ बोर्ड के नए आदेश के बाद प्रदेश में पहली कार्रवाई मानी जा रही है। बोर्ड का कहना है कि उर्स जैसे पाक मौके पर शोर-शराबा और गैर-शरई गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जिला चिकित्सालय प्रदेश में बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में रहे अग्रणी : रमन सिंह

लोकार्पण और मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय का किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज 6 करोड़ 42 लाख 70 हजार रूपए की लागत से जिला चिकित्सालय के प्लिंथ अपग्रेडेशन एवं उन्नयन कार्य का लोकार्पण तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय का शिलान्यास किया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आज स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए 3 करोड़ 56 लाख 70 हजार रूपए की लागत से निर्मित जिला चिकित्सालय भवन के ऊंचाई विस्तार कार्य का लोकार्पण किया गया है तथा 2 करोड़ 86 लाख रूपए की लागत से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कार्यालय के नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया है। उन्होंने कहा कि शहर में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए मजबूत अधोसंरचना है। राजनांदगांव जिला चिकित्सालय एवं शासकीय मेडिकल कालेज से स्वास्थ्य सेवाएं लेने वाले मरीजों की प्रतिक्रिया सकारात्मक रही है। जिला प्रशासन द्वारा इसके लिए सक्रियता एवं सजगता से कार्य किया जा रहा है। यह टीम के लिए उपलब्धि है। शिशु मृत्यु दर एवं मातृ मृत्यु दर सबसे बड़ी चुनौती है। जिसके खिलाफ राजनांदगांव जिले में लड़ाई लड़ी जा रही है। जिसके अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। मातृ मृत्यु दर के आंकड़े राज्य के औसत से कम है, यह एक सुखद संकेत है। जिला चिकित्सालय को और भी स्वास्थ्य सुविधाओं से लैस किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राजनांदगांव का जिला चिकित्सालय अग्रणी रहे। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय में छत की मरम्मत कराने, लिफ्ट का सुधार कार्य कराने, डीएमएफ मद से 2 स्त्री रोग विशेषज्ञ, डेंटल एक्स-रे मशीन, सेपरेटर मशीन की व्यवस्था की जाएगी। राज्य के बजट से यहां की अन्य दिक्कतों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि जिला चिकित्सालय का आज एक नया स्वरूप देख रहे हैं और आज यह नये कलेवर के साथ जिलेवासियों को मिला है। जिला चिकित्सालय के डॉक्टर एवं नर्स तत्परता के साथ स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे है। यहां जिला चिकित्सालय में ऊंचाई विस्तार एवं उन्नयन की आवश्यकता थी, जिसकी पूर्ति की गई है। जिला चिकित्सालय में सुविधाओं की निरंतर बढ़ोत्तरी की जा रही है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि जिला चिकित्सालय की टीम का यह दायित्व है कि समय पर मेहनत करते हुए सही दिशा एवं आयामों में कार्य करें। जिला पंचायत सीइओ सुरूचि सिंह ने जिला चिकित्सालय के प्रतिवेदन का वाचन किया। उन्होंने बताया कि जिले में हाई रिस्क प्रेगनेंसी वाली महिलाओं की निरंतर मानिटरिंग की जा रही है। मातृ मृत्यु दर में कमी आयी है।

इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, समाजसेवी कोमल सिंह राजपूत, समाजसेवी गौतम पारख, जीवनदीप समिति से गुरमुख दास, राजेश श्यामकर, भागचंद, अरविंद, कांति कुमार फुले, आनंद साहू, संदीप भट्टाचार्य, रेखा मेश्राम, खेमीन यादव, अकरम कुरैशी, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. पंकज लुका, नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, संयुक्त कलेक्टर शीतल बंसल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन, सिविल सर्जन डॉ. महेन्द्र प्रसाद, एसडीएम गौतम पाटिल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या नागरिक उपस्थित थे।

ईंट व रेत का अवैध परिवहन करने पर 1 माजदा और 3 ट्रैक्टर किए जप्त

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिज का अवैध उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज विभाग की टीम द्वारा ग्राम चांदो, बंशीबंजारी, खुज्जी, कुमरदा, साल्हे, छुरिया, बाबूटोला, चिचोला, तुमड़ीबोड़, सुकुलदैहान सहित अन्य क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अवैध रूप में ईट एवं रेत का परिवहन करने पर 1 माजदा एवं 3 ट्रैक्टर को जप्त किया गया। इसके तहत ग्राम टप्पा में मड़ियान निवासी घनश्याम वर्मा के स्वामित्व के माजदा सीजी 08 एल 3103 वाहन से वाहन चालक देवीलाल द्वारा ईट का अवैध परिवहन करने पर कार्रवाई करते हुए जप्त कर थाना तुमड़ीबोड़ को सुपुर्द किया गया। इसी तरह ग्राम बाबूटोला में ग्राम बाबूटोला निवासी ट्रैक्टर सोल्ड सोनालिका के मालिक व वाहन चालक टेकराम पाल, टैक्टर सीजी एआर 6853 के मालिक व वाहन चालक मनीष कुमार पाल द्वारा एवं ट्रैक्टर सोल्ड स्वराज के मालिक व वाहन चालक रितेष सिन्हा द्वारा रेत का अवैध परिवहन करने पर कार्रवाई करते हुए जप्त कर थाना चिचोला को सुपुर्द किया गया। प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के रोकथाम के लिए लगातार गस्त व निगरानी की जा रही है।

2 जून की रोटी : जन समर्पण सेवा संस्था ने 350 जरूरतमंदों लोगों तक पहुंचाया दो वक्त का भोजन

9 साल से रोज 170 भूखों का पेट भर रही दुर्ग की संस्था, तेल-साबुन से लेकर बच्चों के लिए दूध भी बांटा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कहावत है '2 जून की रोटी' यानी दो वक्त का भोजन। इसी कहावत को सार्थक करते हुए जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग ने 2 जून को शहर के 350 से ज्यादा गरीब, असहाय और जरूरतमंदों तक दो वक्त का भोजन पहुंचाया। भोजन के साथ तेल, साबुन, निरमा, बच्चों के लिए दूध, मिष्ठान, नमकीन और रोजमर्रा की जरूरी सामग्री भी बांटी गई।

सुबह से देर रात तक चला सेवा अभियान

संस्था के अनस खान और अंश पाण्डेय ने बताया कि सोमवार 2 जून को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक और शाम 7 बजे से देर रात तक अभियान चलाया गया। दुर्ग रेलवे स्टेशन, पोलसाय पारा, पुराना बस स्टैंड, पुलगांव चौक, मिनी माता चौक, पटेल चौक, बस स्टैंड, वृद्धाश्रम, अनाथ हॉस्पिटल और शहर के फुटपाथों पर जीवन बिता रहे लोगों तक टीम पहुंची।

3440 दिन से बिना नागा चल रही रसोई

भूखे को रोटी देना सबसे बड़ा धर्म है। इसी भाव को लेकर जन समर्पण सेवा संस्था पिछले 9 साल 5 महीने, यानी 3440 दिन से बिना एक दिन रुके रोज 170 से ज्यादा जरूरतमंदों को निशुल्क भोजन करा रही है। फुटपाथ, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन पर सोने वालों के लिए यह संस्था ही सहारा है।

संस्था हर साल 2 जून को विशेष आयोजन करती है ताकि कोई भी व्यक्ति 2 जून को 2 जून की रोटी के लिए न तरसे। इस बार भी अनाथ आश्रम, बाल आश्रम, वृद्धाश्रम और सड़कों पर रहने वाले 350 लोगों तक दो समय का भोजन पहुंचाया गया।

मानव सेवा ही जीवन का एक उद्देश्य

संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने कहा, खाना इंसान की सबसे बड़ी जरूरत है। जिसको दो वक्त की रोटी नसीब नहीं होती, उसकी जिंदगी की कल्पना करना भी मुश्किल है। हमारा मकसद है कि दुर्ग में कोई भूखा न सोए।

इस सेवा कार्य में आशीष मेश्राम, सुजल शर्मा, राजेन्द्र ताम्रकार, अख्तर खान, अंकेश पेशवानी, रूपल गुप्ता, रूपेश शर्मा, मनोज गुप्ता, अर्जित शुक्ला, मृदुल गुप्ता, समीर खान, सार्थक शर्मा सहित संस्था के सभी सदस्यों ने दिन-रात सेवा दी। भौतिकवादी दौर में भी जन समर्पण सेवा संस्था का यह प्रयास साबित करता है कि इंसानियत आज भी जिंदा है।

छिंदारी डेम में डूबने से 16 वर्षीय एकलौते बेटे की मौत

नहाने गए तीन दोस्तों में दो बचे, एसडीआरएफ ने 10 मिनट में निकाला शव, परिवार में मातम

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़-छुईखदान

शहीद नगरी छुईखदान के पाल परिवार का चिराग बुझ गया। बुधवार दोपहर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल रानी रश्मि देवी जलाशय (छिंदारी बांध) में नहाने गए 16 वर्षीय लक्ष्य पाल की डूबने से मौत हो गई। लक्ष्य अपने परिवार का इकलौता बेटा था। उसके पिता संजय पाल विवेकानंद स्कूल में शिक्षक हैं। घर में मातम छाया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दोपहर 12 बजे पहुंचे थे डेम

जानकारी के अनुसार छुईखदान भाटापारा निवासी तीन दोस्त बुधवार दोपहर करीब 12 बजे घूमने के लिए छिंदारी डेम पहुंचे थे। कुछ देर बाद तीनों नहाने के लिए पानी में उतर गए। तीनों को तैरना नहीं आता था, फिर भी वे नहाते-नहाते गहरे पानी की ओर चले गए। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से तीनों डूबने लगे।

दो दोस्त बचे, एक समा गया गहराई में

डूबते समय दो युवक किसी तरह बाहर निकल आए, लेकिन लक्ष्य पाल गहराई में समा गया। दोनों दोस्तों ने आसपास मौजूद लोगों से मदद मांगी। राहगीरों ने तत्काल छुईखदान पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों युवकों से प्रारंभिक पूछताछ की।

मुक्तांजली वाहन पर उठे सवाल

एसडीआरएफ ने 10 मिनट में निकाला शव

स्थानीय गोताखोरों ने तलाश शुरू की, लेकिन सफलता नहीं मिली। जलाशय की अधिक गहराई को देखते हुए दुर्ग से एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई। शाम 6 बजे टीम पहुंची और विशेष उपकरणों से खोजबीन शुरू की। एसडीआरएफ ने महज 10 मिनट में ही लक्ष्य का शव खोज निकाला।

ई-रिक्शा से अस्पताल ले जाया गया शव

हादसे के बाद परिजन शव को ई-रिक्शा से छिंदारी डेम से छुईखदान अस्पताल ले गए। इससे स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था पर सवाल उठे हैं कि क्या छुईखदान स्वास्थ्य केंद्र के पास मुक्तांजली वाहन उपलब्ध नहीं है।

पहले भी हो चुके हैं हादसे

छिंदारी डेम पर पहले भी डूबने की कई घटनाएं हो चुकी हैं। प्रशासन की चेतावनी के बावजूद लोग गहरे पानी में उतरने का जोखिम उठाते हैं, जिससे बार-बार हादसे हो रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इम्पैक्ट इंडिया समिट 2026 : इंदौर में छत्तीसगढ़ की शानू मोहनन का किया सम्मान, देशभर के 100 एनजीओ अध्यक्ष हुए गौरवान्वित

सम्मान

पद्मश्री सुशील तोषी रहे मुख्य अतिथि, राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले संगठनों को मिला श्रेष्ठ एनजीओ सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / इंदौर

मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित प्रीतमलाल दुआ सभागार में इम्पैक्ट इंडिया समिट 2026 का भव्य आयोजन किया गया। समिट में राष्ट्र निर्माण में सतत योगदान दे रहे देशभर के श्रेष्ठ एनजीओ और उनके अध्यक्षों को सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ़ का नाम रोशन

अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था की चेयरपर्सन शानू मोहनन ने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें सबसे पहले संबोधन के लिए मंच पर आमंत्रित किया गया। समाज सुधार के क्षेत्र में रचनात्मक और सृजनात्मक कार्यों के लिए संस्था को श्रेष्ठ एनजीओ सम्मान से नवाजा गया। शानू मोहनन ने कहा, सम्मान के साथ मंच पर पहला आमंत्रण मिलना हमारी सोच से परे था। यह पल बेहद सुखद और गौरवपूर्ण रहा।

100 कर्मठ अध्यक्षों का किया गया सम्मान

समिट में आल इंडिया बेस के 100 कर्मठ एनजीओ अध्यक्षों का सम्मान किया गया। यह क्षण सभी के लिए रोमांचक रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात पत्रकार, लेखक, समाजसेवी और हिंदी क्रिकेट कमेंट्री के अग्रदूत पद्मश्री सुशील तोषी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजीव शुक्ला और कानपुर उत्तर प्रदेश से सेवानिवृत्त आईपीएस रतन कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

हर सक्षम इंसान नेकी का काम जरूर करे

अपने संबोधन में शानू मोहनन ने कहा, हर सक्षम मानव को अपने जीवनकाल में मानवता की सेवा में कोई न कोई काम अवश्य करना चाहिए। चाहे वह छोटा ही क्यों न हो। नेकी और भलाई के काम से हम निर्बल व्यक्ति का आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक जीवन स्तर सुधार सकते हैं। यही असली व्यक्ति निर्माण है।

एनजीओ ही समाज की असली ताकत

छत्तीसगढ़ से शानू मोहनन और उनकी संस्था के सम्मानित होने से प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ है। आयोजकों ने कहा कि ऐसे एनजीओ ही समाज की असली ताकत हैं जो जमीनी स्तर पर बदलाव ला रहे हैं।

जिला अस्पताल में रक्त नहीं मिलने से युवती की मौत पर कांग्रेस का प्रदर्शन, सिविल सर्जन कार्यालय का घेराव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला अस्पताल दुर्ग में सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित 22 वर्षीय युवती को समय पर रक्त उपलब्ध नहीं होने के कारण हुई मौत को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को जिला अस्पताल पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने सिविल सर्जन कार्यालय का घेराव कर स्वास्थ्य विभाग और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की तथा दोषियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कड़ी कारर्वाई की मांग की। करीब दो घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ब्लड बैंक प्रभारी, जिला अस्पताल प्रबंधन सहित राज्य सरकार के खिलाफ जमकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित युवती को लगभग 48 घंटे तक रक्त उपलब्ध नहीं कराया गया, जिसके चलते उसकी मृत्यु हो गई।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि जिला चिकित्सालय दुर्ग में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व ही कांग्रेस ने अस्पताल की विभिन्न अव्यवस्थाओं, मॉर्च्यूरी और ब्लड बैंक की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा था, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित मरीजों को नियमानुसार निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाना चाहिए। यदि समय पर रक्त मिल जाता तो युवती की जान बचाई जा सकती थी। यह घटना स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर विफलता को दर्शाती है।

कांग्रेस ने अस्पताल प्रशासन द्वारा गठित आंतरिक जांच समिति पर भी सवाल उठाते हुए मामले की जांच जिला प्रशासन स्तर पर स्वतंत्र एवं निष्पक्ष समिति से कराने की मांग की। बाकलीवाल ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर कारर्वाई नहीं हुई तो कांग्रेस और जनसंगठन उग्र आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले नसबंदी शिविर में इंजेक्शन लगाए जाने के बाद दो महिलाओं की मौत का मामला भी सामने आया था, लेकिन अब तक किसी जिम्मेदार अधिकारी या कमर्चारी पर प्रभावी कारर्वाई नहीं हुई है।

कांग्रेस नेताओं ने जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी में शव संरक्षण के लिए उपयोग होने वाला डीप फ्रीजर पिछले लगभग पांच माह से खराब होने का आरोप लगाते हुए इसे प्रशासनिक लापरवाही बताया। उनका कहना है कि इसके कारण शवों के संरक्षण में कठिनाई हो रही है और परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदर्शन में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, ब्लॉक अध्यक्ष अलताफ अहमद, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, रायसिंह दिकोला, प्रेमलता साहू, नासिर खोखर, सुशील भारद्वाज, निकिता मिलिंद, राहुल शर्मा, आनंद कपूर, गुरदीप भाटिया, मुकेश साहू, खुर्शीद अहमद, मनीष सोनी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100